दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-14 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 18 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के एआई इस्तेमाल पर बवाल, दया बनाम मानवता जैसे फर्जी केस देख भड़के जज

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने अदालती कामकाज और याचिकाएं तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते और लापरवाह इस्तेमाल पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हाल के दिनों में अदालत के सामने ऐसे कई चौंकाने वाले मामले आए हैं, जिनमें वकीलों ने एआई टूल की मदद से याचिकाएं तैयार कीं और उसमें ऐसे फैसलों और उद्धरणों का हवाला दे दिया, जिनका असल में कोई वजूद ही नहीं है। इस तरह की फर्जी और भ्रामक जानकारी पेश किए जाने पर शीर्ष अदालत ने सख्त ऐतराज जताया है।

हिमंता बिस्वा मामले में बेंच ने जताई सख्त नाराजगी

यह गंभीर टिप्पणी चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने हिमंता बिस्वा मामले की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि कुछ वकील बिना किसी तथ्य की जांच या क्रॉस-वेरिफिकेशन किए आंख मूंदकर एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी वजह से अदालत में गलत और भ्रामक जानकारी पेश की जा रही है, जो न्याय प्रक्रिया के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

जब अदालत में पेश हुआ 'दया बनाम मानवता' का मनगढ़ंत केस

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने एक ऐसा उदाहरण दिया जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि अदालत के समक्ष 'दया बनाम मानवता' नाम से एक ऐसे फैसले का हवाला दिया गया, जो पूरी तरह से काल्पनिक था और कानूनी इतिहास में इसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कई बार वकील वास्तविक मामलों का हवाला तो देते हैं, लेकिन उनके जो अंश या पैराग्राफ अदालत में पेश किए जाते हैं, वे मूल फैसले में कहीं लिखे ही नहीं होते हैं। सीजेआई ने बताया कि बिल्कुल ऐसा ही एक वाकया न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अदालत में भी सामने आ चुका है, जहां पेश किए गए पूर्व उदाहरण पूरी तरह से मनगढ़ंत और फर्जी पाए गए थे।

एआई समिट के बीच चेतावनी, जल्द जारी होंगे प्रशासनिक निर्देश

सुप्रीम कोर्ट की यह सख्त टिप्पणी ऐसे अहम समय में आई है जब देश में एक अंतरराष्ट्रीय एआई समिट का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर शीर्ष अदालत ने एआई के दुरुपयोग को लेकर पूरे कानूनी जगत को सचेत किया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह न्यायपालिका में एआई के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए जल्द ही सभी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री को विस्तृत प्रशासनिक निर्देश जारी करेगा। अदालत ने वकीलों को सख्त हिदायत दी है कि तकनीक कानूनी रिसर्च में केवल एक मददगार हो सकती है, लेकिन अदालत में पेश किए गए दस्तावेजों की प्रामाणिकता की अंतिम जिम्मेदारी पूरी तरह से वकील की ही होगी।

जम्मू में एक गैंगस्टर और दो पाकिस्तानी नागरिकों के फरार होने के बाद छह पुलिसकर्मी निलंबित

जम्मू, (ए.)। आरएस पुरा सेक्टर के किशोर सुधार गृह से तीन कैदियों के फरार होने के बाद लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। फरार होने वालों में दो पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय गैंगस्टर था।आरएस पुरा के डबलेहर निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सुना-उल्लाह और अहसान अनवर सोमवार शाम करीब 5.15 बजे पुलिसकर्मियों पर हमला कर किशोर सुधार गृह से फरार हो गए थे। इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक सहायक सब-इंस्पेक्टर सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि ये निलंबन विभागीय जांच का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह घटना कैसे घटी, सुरक्षा में सेंध क्यों लगी और क्या तैनात कर्मियों द्वारा कर्तव्य में कोई चूक हुई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुलैथ में आज कृषक कल्याण वर्ष के पहले किसान सम्मेलन का करेंगे शुभारंभ

प्रगतिशील किसानों को हितलाभ करेंगे वितरित, उन्नत कृषि तकनीक पर लगेगी प्रदर्शनी

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषक कल्याण वर्ष के पहले राज्य स्तरीय विशाल एवं भव्य किसान सम्मेलन 18 फरवरी बुधवार को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में शुभारंभ करेंगे। वे 87.86 करोड़ रुपए लागत के 41 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे। किसान सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं सांसद भी भारत सिंह कुशवाह सहित अन्य अतिथिगण शामिल होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव उन्नत खेती कर रहे प्रगतिशील किसानों को हितलाभ वितरित करेंगे। कुलैथ में उन्नत कृषि तकनीक पर प्रदर्शनी भी लगेगी। प्रदर्शनी में उद्यानिकी, प्राकृतिक खेती व पशु नस्ल सुधार को प्रमुखता से शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान सम्मेलन में लगाई गई कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इस अवसर पर स्थानीय किसानों की पारंपरिक बैलगाड़ी-दौड़ होगी। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण आधारित लोकगीतों की प्रस्तुति भी होगी।

सीएम डॉ. यादव ने जेईई मुख्य परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को दीं बधाई और शुभकामनाएं

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जेईई मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के रिद्धेश बेंडाले को प्रदेश में प्रथम स्थान और अनुष्का अग्रवाल को स्टेट गर्ल्स टॉपर बनने पर विशेष रूप से बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

गुजरात में स्कूलों के बाद अब 6 अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल के बाद मचा हड़कंप

जालंधर (आरएनएस)। गुजरात में स्कूलों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी मिलने के ठीक एक दिन बाद, मंगलवार को राज्य की छह अलग-अलग जिला अदालतों को भी ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इस सनसनीखेज खबर के फैलते ही पूरे प्रशासन और न्यायिक महकमे में भारी हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें तुरंत हरकत में आईं और एहतियात के तौर पर आनन-फानन में कोर्ट परिसरों को खाली कराया गया। हालांकि, बम निरोधक दस्ते द्वारा घंटों तक चलाए गए सघन तलाशी अभियान के बाद कहीं से भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई, जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली और इसे महज एक अफवाह करार दिया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, ये धमकी भरे ईमेल अहमदाबाद, वडोदरा, वलसाड, राजकोट, गांधीनगर और मेहसाणा की अदालतों को भेजे गए थे। वडोदरा और वलसाड जिला अदालत को भेजे गए ईमेल में यह खौफनाक दावा किया गया था कि परिसर के अंदर 19 आईईडी (IED) बम लगाए गए हैं, जो दोपहर की नमाज से पहले फट जाएंगे।

मप्र विधानसभा में 19 हजार 287 करोड़ 32 लाख रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पेश

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने मौजूदा वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। यह अनुपूरक बजट 19 हजार 287 करोड़ 32 लाख रुपये का प्रावधान है। इसके साथ ही आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 भी सदन के पटल रखा गया।उप मुख्यमंत्री देवड़ा द्वारा प्रस्तुत तीसरे अनुपूरक बजट में राजस्व मंद में 8934.03 करोड़ तथा पूंजीगत मद में 10353.29 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग को 100 करोड़, राजस्व विभाग को 100 करोड़, वन विभाग को 161 करोड़, औद्योगित नति एवं निवेश संवर्धन विभाग को 1250 करोड़, वित्त विभाग को 1650 करोड़, वाणिज्यिक कर विभाग को 1388 करोड़, खनिज विभाग को मायनिंग फंड के लिए 321 करोड़ और रक्षित निधि में अंतरण योजना के लिए 140 करोड़, ऊर्जा विभाग को 2630 करोड़, श्रम विभाग को 615 करोड़, नगरीय विकास एवं आवास विभाग को स्थानीय निकायों के लिए 2569 और मिलियन शहरों के लिए 248 करोड़, नर्मदा घाटी विकास विभाग को 4700 करोड़, जल संसाधन विभाग को 300 करोड़, पीएचई विभाग को 300 करोड़, तकनीकी शिक्षा विभाग को 720 करोड़ और एमएसएमई विभाग को 213 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

ढाका, (ए.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को यहां बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश पहुंचे बिरला ने शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनकी पत्नी से मुलाकात भी की। इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद रहे।बिरला ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि उन्हें ढाका में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर खुशी हुई।

उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दुनिया के कई देशों के नेता भी ढाका पहुंचे। मुख्य सलाहकार यूनुस के न्योते पर मालदीव के राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जू, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, श्रीलंका और नेपाल के विदेश मंत्री तथा कई अन्य देशों के प्रतिनिधि भी इस समारोह में शामिल हुए।

साइबर अपराधियों के तरीकों के बारे में लोगों को जागरुक करें, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे लोगों को जागरूक करना चाहिए, मुआवजा देना चाहिए और उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए, जिन्होंने साइबर धोखाधड़ी में अपनी मेहनत की कमाई गंवा दी है।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब उन्होंने म्यूल बैंक खातों का निर्माण कर उन्हें साइबर अपराधियों को बेचने के एक आरोपित परमजीत खरब को जमानत दे दी।म्यूल बैंक अकाउंट एक ऐसा अकाउंट होता है जिसका इस्तेमाल साइबर ठग हड़पी गई रकम को ट्रांसफर कराने के लिए करते हैं।

इंदौर में हुई दूषित पानी से मौतों के खिलाफ कांग्रेस ने विधानसभा में प्रदर्शन किया

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने चालू वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। सत्र से पहले कांग्रेस विधायकों ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार गंदे पानी की बोतल लेकर विधानसभा पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की। यदि कोई एक्शन लिया जाता, तो इतनी मौतें नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से पानी का टैक्स वसूलती है। सरकार विधान सभा में कहती है कि स्वच्छ पानी दिया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्हें साफ पानी नहीं मिल रहा है। गरीब पानी फिल्टर की मशीनें नहीं खरीद सकते। आरओ मशीन नहीं लगा सकते। इसलिए वे सीधे सरकार की सप्लाई व्यवस्था पर ही निर्भर हैं। ऐसे में क्या सरकार की, कुर्सी पर बैठे मंत्रियों की कोई जवाबदारी नहीं है।उमंग सिंघार ने कहा कि इस मामले में जो भी मंत्री दोषी हैं, उन पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उनसे इस्तीफा लिया जाए। और अगर मुख्यमंत्री ऐसे मंत्रियों से इस्तीफा नहीं ले सकते, तो उन्हें खुद सीएम का पद छोड़ देना चाहिए। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि इंदौर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन सरकार इसे पूरी गंभीरता से ले रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने कई बार स्थिति की समीक्षा की है और नगरीय निकायों नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आम नागरिक को स्वच्छ पेयजल मिले। नियमित जांच के आदेश दिए गए हैं और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा।

बारामती विमान हादसे में फ्लाइट रिकॉर्डर डाटा सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया तेज,एएआईबी की जांच जारी

बारामती, (आरएनएस)। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 28 जनवरी को बारामती में हुए लियरजेट 45 वीटी-एसएसके दुर्घटना की जांच को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। ब्यूरो के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना एवं घटना जांच नियम, 2017 और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के मानकों, विशेष रूप से आईसीएओ अनुलग्नक 13 के तहत सख्ती से की जा रही है। एएआईबी ने बताया कि विमान में दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे। दुर्घटना के दौरान दोनों रिकॉर्डर लंबे समय तक अत्यधिक हीट के संपर्क में रहे, जिससे उनमें आग से नुकसान हुआ। इसके बावजूद जांच एजेंसी तकनीकी साक्ष्यों को सुरक्षित रूप से प्राप्त करने की प्रक्रिया में जुटी है। एल3-संचार द्वारा निर्मित डिजिटल फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) का डाटा एएआईबी के फ्लाइट रिकॉर्डर प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। वहीं हनीवेल द्वारा निर्मित कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) का विस्तृत तकनीकी परीक्षण जारी है। डाटा पुनर्प्राप्ति के लिए निर्माण देश के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि से विशेष तकनीकी सहायता भी मांगी गई है। जांच एजेंसी ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित तकनीकी और प्रक्रियात्मक मानकों के अनुरूप, निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित तरीके से की जा रही है।

राहुल गांधी को हाई कोर्ट से बड़ी राहत,'करप्शन रेट कार्ड' मानहानि केस हुआ रद्द; खत्म हुई कानूनी टेंशन

बेंगलुरु (आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को कर्नाटक हाई कोर्ट से एक बड़ी कानूनी राहत मिली है। अदालत ने विधानसभा चुनावों के दौरान कथित मानहानि से जुड़े एक चुनावी कंटेंट को लेकर उनके खिलाफ दर्ज की गई निजी शिकायत को पूरी तरह से रद्द कर दिया है। यह अहम आदेश जस्टिस सुनील दत्त यादव की अध्यक्षता वाली सिंगल बेंच ने सुनाया है। यह पूरा मामला तत्कालीन बीजेपी सरकार पर निशाना साधने वाले एक 'करप्शन रेट कार्ड' विज्ञापन से जुड़ा था, जिसे राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया था। यह पूरा सियासी और कानूनी विवाद कर्नाटक विधानसभा चुनाव के समय शुरू हुआ था। उस दौरान कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन बीजेपी सरकार के खिलाफ एक बेहद आक्रामक विज्ञापन अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत 'करप्शन रेट कार्ड' जारी किया गया था, जिसके जरिए सरकार पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए थे। जब राहुल गांधी ने इस कंटेंट को सोशल मीडिया पर प्रचारित किया, तो इसे आधार बनाते हुए उनके खिलाफ मानहानि की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई।

निचली अदालत के समन को हाई कोर्ट में दी गई थी चुनौती

इस विज्ञापन के सामने आने के बाद बीजेपी समर्थक केशव प्रसाद ने राहुल गांधी के खिलाफ एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए निचली अदालत ने राहुल गांधी को पेश होने के लिए समन जारी कर दिए थे।

साध्वी प्रेम बाईसा कांड : कंपाउंडर देवी सिंह पर गिरी गाज, एसआईटी की जांच में कातिलाना लापरवाही उजागर, किसी भी वक्त हो सकती है गिरफ्तारी

जोधपुर (आरएनएस)। साध्वी प्रेम बाईसा मौत मामले में अब पुलिस ने अपना शिकंजा कस दिया है। SIT (एसआईटी) की गहन जांच और एफएसएल व पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले खौफनाक सबूतों के बाद बोरानाडा थाना पुलिस ने आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह राजपुरोहित के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि आरोपी की गिरफ्तारी अब महज कुछ घंटों का इंतजार है। लापरवाही नहीं, ये जानलेवा उतावलापन है जांच में यह कड़वा सच सामने आया है कि साध्वी की मौत के पीछे नर्सिंग कर्मी का घोर उतावलापन, लापरवाही और असावधानी जिम्मेदार थी। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यदि प्रक्रियाओं का पालन किया गया होता तो साध्वी की जान बचाई जा सकती थी।

नागदा में भीषण सड़क हादसा

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत, तेज रफ्तार बनी काल

नागदा (उज्जैन), (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के नागदा में सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। हादसा नागदा-महिदपुर रोड पर रूपेटा गांव के समीप हुआ, जहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक पर इंदौर जिले के देपालपुर निवासी आबेद और अनवर सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर डाक विभाग के कर्मचारी राहुल गुर्जर सवार थे। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकें तेज रफ्तार में थीं और अचानक आमने-सामने आ गईं, जिससे भयंकर टक्कर हो गई। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों ने 112 इमरजेंसी नंबर पर सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। यह दुर्घटना नागदा मंडी थाना क्षेत्र में हुई। प्रारंभिक जांच में ओवर स्पीडिंग और संभवत: लेन क्रॉसिंग को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे से तीन परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026

‘सशक्त भारत के लिए एआई आधारित सुशासन’ सॉल्यूशंस के प्रदर्शन से ‘एमपी पेवेलियन’ बना आकर्षण का केंद्र

प्रदेश के स्टार्ट-अप और विभागों ने प्रस्तुत किए एआई समाधान

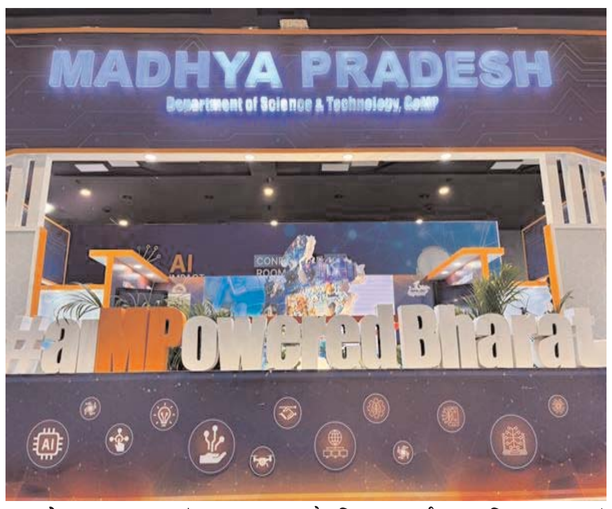

भोपाल (निप्र)।‘सशक्त भारत के लिए एआई आधारित सुशासन’ के विजन पर आधारित मध्यप्रदेश के 14 प्रमुख स्टार्ट-अप और विभिन्न शासकीय विभागों के नवाचारों के प्रदर्शन से नई दिल्ली में आयोजित ‘इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026’ में ‘एमपी पेवेलियन’ विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पेवेलियन में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक स्वचालन, डिजिटल हेल्थ केयर, संचार प्रशिक्षण और रोबोटिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग की सशक्त झलक प्रस्तुत की गई है। स्टार्ट-अप श्रेणी में नोवोसएज (एग्रीदूत)ने एआई, एमएल, आईओटी और जीआईएस आधारित प्रिसीजन फार्मिंग प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किया, जो किसानों को रीयल-टाइम खेत-स्तरीय जानकारी, फसल रोग पूर्वानुमान और उपग्रह आधारित विश्लेषण उपलब्ध कराता है और 15 से अधिक एफपीओ और 15,000 से अधिक किसानों को सेवा दे रहा है।

नुआइग ने हेल्थ टेक और वृद्धजन देखभाल के लिए एआई एजेंट, प्रिडिक्टिव केयर इंजन और डॉक्टर-रोगी संवाद के स्वचालित सारांश जैसे समाधान प्रस्तुत किए। क्वासी इंटेलिजेंस ने ‘क्वासी विज़न प्लेटफॉर्म’ के माध्यम से चौबीस घंटे औद्योगिक सुरक्षा निगरानी, उत्पादन ट्रैकिंग और वेयरहाउस विश्लेषण की सुविधा प्रदर्शित की, जबकि ग्रेडिन डॉट एआई ने प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस तकनीक से उद्योगों की परिचालन लागत में 15-20 प्रतिशत तक कमी की संभावनाएं दर्शाईं।आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर) ने हाई-फिडेलिटी पेशेंट सिम्युलेटर, पोर्टेबल टेस्ट किट और एआई डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल हेल्थ केयर नवाचार प्रस्तुत किए। कॉमोनिफाई (कॉमन स्कूल) ने एआई-आधारित इमर्सिव कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के माध्यम से इंटरव्यू, मीटिंग और पेशेवर प्रशिक्षण के लिए रीयल-टाइम फीडबैक आधारित समाधान प्रदर्शित किया। आरएसईएनएल एआई फिल्म्स ने जनरेटिव एआई आधारित सिनेमैटिक स्टोरीटेलिंग मॉडल प्रस्तुत किया, जो कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले विजुअल निर्माण को संभव बनाता है। यंगोवेटर ने रोबोटिक्स एवं स्टेम शिक्षा के लिए ह्यूमनॉइड और थ्रीडी प्रिंटेड रोबोट सहित इंटरैक्टिव लैब प्रदर्शित की, जिसने अब तक 25,000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।

जैंगोह (न्यूज़ेरा टेक लैब्स) ने सॉवरेन एआई आधारित समाधान जैसे भीड़ विश्लेषण, बहुभाषीय अनुवाद और सरकारी योजना सहायता प्लेटफॉर्म प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुंबई क्लाइमेट वीक-2026 में करेंगे 18 फरवरी को विशेष सत्र की अध्यक्षता

मध्यप्रदेश के ‘नवकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण’ संबंधी नवाचार पर मुंबई में होगा प्रेजेटेंशन

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन द्वारा 17 से 19 फरवरी 2026 तक आयोजित मुंबई क्लाइमेट वीक 2026 में राज्य की सतत, स्केलेबल एवं निवेश-अनुकूल नवकरणीय ऊर्जा तथा ऊर्जा भंडारण संबंधी नवाचारों का प्रेजेंटेशन किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 18 फरवरी 2026 को सायं 6:30 बजे से 8:10 बजे तक मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित होटल सोफिटेल में विशेष आयोजन में प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण रोडमैप पर केंद्रित प्रेजेंटेशंस का नेतृत्व करेंगे।‘मुंबई क्लाइमेट वीक 2026’ का आयोजन भारत में जलवायु संबंधी कार्यवाहियों को गति देने के लिये एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय मंच के रूप किया जा रहा है। इस मंच पर राज्यों की जलवायु संबंधी नवाचारों के प्रस्तुतिकरण के साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और जलवायु संबंधी बेसिक इको सिस्टम पर हितधारकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया जायेगा। देश-विदेश के नीति-निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, निवेशक एवं क्लाइमेट क्षेत्र से जुड़े प्रैक्टिशनर भाग लेंगे। यह आयोजन राज्य को हरित ऊर्जा निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मुंबई क्लाइमेट वीक 2026 में म.प्र. सरकार के प्रेजेंटेशन से यह प्रदर्शित किया जायेगा कि प्रदेश ग्रीन एनर्जी की सुलभता, विश्वसनीयता और निवेश प्रतिस्पर्धा के साथ सतत विकास की दिशा में अग्रसर है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंगलवार को मंत्रालय में अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी सहित वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बजट 2026-27 को अंतिम रूप दिया।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 133 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, एडीएम प्रकाश नायक ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 133 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, एडीएम श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर

मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सेवोत्तम सुशासन विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण

भोपाल (निप्र)। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग नई दिल्ली के सहयोग से आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल में स्थापित सेवोत्तम प्रकोष्ठ के अंतर्गत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सेवोत्तम विषयक म.प्र. लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम 2010 विषय पर शिकायत निवारण प्रणाली पर आधारित पदभिहित अधिकारियों एवं शिकायत निवारण अधिकारियों (एल-1/एल-2 श्रेणी के अधिकारियों) का दो दिवसीय प्रशिक्षण 17 एवं 18 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है।

भोपाल में शादी समारोह के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट, 50 फीट तक उठीं लपटें, मेहमानों ने भागकर बचाई जान

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार रात एक मैरिज रिसेप्शन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भौंरी इलाके में स्थित होटल प्ले एंड रिसोर्ट में गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। धमाका इतना जोरदार था कि आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जबकि आग की लपटें करीब 50 फीट ऊंचाई तक उठती नजर आईं।जानकारी अनुसार घटना देर रात करीब 10 बजे की है, जब होटल परिसर में शादी का रिसेप्शन चल रहा था। अचानक आग लगने और सिलेंडर ब्लास्ट की आवाज से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए मेहमान इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिसने पास में रखे गैस सिलेंडर को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही पलों में सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ और आग ने विकराल रूप ले लिया

गनीमत रही कि जिस स्थान पर सिलेंडर फटा, वहां उस समय कोई मौजूद नहीं था। बताया जा रहा है कि कुछ देर पहले तक उसी जगह गाड़ियां खड़ी थीं। अगर धमाका उस समय होता तो जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

दमकल की मशक्कत, देर रात तक चला रेस्क्यू

आग पर काबू पाने के लिए गांधीनगर, बैरागढ़ और फतेहगढ़ फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात 12 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका। मौके पर जेसीबी की मदद से जले हुए सामान को हटाया गया और क्षतिग्रस्त हिस्से को सुरक्षित किया गया। देर रात तक धुआं निकलता रहा, जिसके चलते एहतियातन दमकल वाहन मौके पर तैनात रहे। इस घटना ने शादी समारोह की खुशियों को दहशत में बदल दिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

राज्यपाल के अपर सचिव श्री भार्गव का विदाई समारोह सम्पन्न

भोपाल, (निप्र)। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने राज्यपाल के स्थानांतरित अपर सचिव उमाशंकर भार्गव को विदाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल की ओर से प्रमुख सचिव ने श्री भार्गव को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। विदाई समारोह लोकभवन में मंगलवार को आयोजित किया गया था। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने श्री भार्गव के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारी मिलने के लिए बधाई दी। उन्होंने श्री भार्गव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आशा जताई कि लोकभवन के साथ श्री भार्गव का सम्पर्क और संवाद निरंतर बना रहेगा।राज्यपाल के स्थानांतरित अपर सचिव श्री भार्गव ने लोकभवन में बिताए गए समय को अपने प्रशासनिक जीवन का महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय अध्याय बताया। लोकभवन परिवार के सहयोग, पारस्परिक विश्वास एवं टीम भावना के कारण ही वे अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सके।

आरडीएसएस अंतर्गत पश्चिम मप्र में 7500 नए ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली वितरण क्षमता बढ़ाई

भोपाल (निप्र)। शासन की महत्वपूर्ण योजना रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत पश्चिम मप्र यानि मालवा निमाड़ में अब तक 7500 नए ट्रांसफार्मर लगाए गए है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इन नए ट्रांसफार्मरों से औद्योगिक क्षेत्र, व्यापारिक क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, आबादी क्षेत्र की बिजली वितरण क्षमता का विस्तार किया गया हैं। लाखों उपभोक्ताओं की बिजली वितरण व्यवस्था में गुणात्मक सुधार किया गया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आरडीएसएस के तहत 100 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर कंपनी क्षेत्र के इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर, शाजापुर में स्थापित कर उपभोक्ताओं की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी की गई है। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि इंदौर जिले में 900 से ज्यादा ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। उज्जैन जिले में 1200, देवास जिले में 940, रतलाम 540, खरगोन 496, धार 490, खंडवा 485, झाबुआ 400, आलीराजपुर 381, मंदसौर 403, शाजापुर 333, नीमच 290, बुरहानपुर 289 में, बड़वानी में 229 स्थानों पर ट्रांसफार्मर लगाकर वितरण क्षमता विस्तार किया गया है। इसी तरह अन्य जिलों में भी ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं।

श्रमिकों के बच्चों का शैक्षणिक उत्थान हमारी प्राथमिकता : मंत्री पटेल

- मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल की हुई 64वीं बैठक

भोपाल, (निप्र.) । मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल की मंगलवार को हुई 64वीं बैठक में श्रमिकों के बच्चों के शैक्षणिक उत्थान को केंद्र में रखते हुए मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन देने और प्रारंभिक स्तर पर कॅरियर काउंसलिंग की व्यवस्था विकसित करने पर प्राथमिकता दी गई। बैठक में श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराना मंडल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंडल की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों को इन अवसरों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में मंडल का आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट माननीय सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में श्रम सचिव रघुराज राजेन्द्रन, कल्याण आयुक्त संजय कुमार एवं श्रमिकों एवं नियोजकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों और कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना शासन की जिम्मेदारी है। वेतनमान से जुड़े मामलों में देरी कार्यकुशलता को प्रभावित करती है, इसलिए सभी लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के समाधान और सामाजिक सुरक्षा अंशदान जमा न करने वाले प्रिंसिपल एम्प्लॉयर की जानकारी पोर्टल पर सार्वजनिक करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति, खेल एवं कौशल विकास गतिविधियों तथा नवीन श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में श्रम सचिव रघुराज राजेन्द्रन ने बताया कि श्रम कल्याण बोर्ड में संपूर्ण कंप्यूटरीकरण एमपीएसईडीसी के माध्यम से किया जा रहा है। श्रम विभाग द्वारा नवीन श्रम संहिताओं पर संभागीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें से एक भोपाल में संपन्न हो चुकी है। इन संहिताओं के आधार पर राज्य में श्रम कानूनों में संशोधन किए जा रहे हैं।

सिलाई केंद्रों का पुनः संचालन, 17 केंद्र सक्रिय

बैठक में बताया गया कि चचाई और इंदौर में सिलाई केंद्रों को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है। वर्तमान में 27 श्रम कल्याण केंद्रों में से 17 में सिलाई-कढ़ाई केंद्र संचालित हो रहे हैं। कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का परीक्षण कराया गया है। मंडल के अंतर्गत संचालित श्रम कल्याण केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय पर्व, विश्वकर्मा जयंती जैसे आयोजन नियमित रूप से किए जा रहे हैं। श्रमिकों के लिए कंप्यूटर केंद्र भी संचालित हैं।

खेलों को बढ़ावा, समयावधि बढ़ाने का प्रस्ताव

बैठक में खेल प्रतियोगिताओं की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। बताया गया कि खेलों के माध्यम से श्रमिकों का सर्वांगीण विकास संभव है। साथ ही नियमित कर्मचारियों को समयमान वेतनमान के एरियर भुगतान को शीर्ष प्राथमिकता देने की बात कही गई। भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा हुई। अंत में सभी सदस्यों ने श्रमिक एवं कर्मचारी हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया।

आगामी 2 वर्षों में प्रदेश का मत्स्य उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य

फार्म पॉन्ड मॉडल एवं सहकारिता आधारित पूरक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल, (निप्र)। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्यादित के सभागार में विभाग की समीक्षा की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, प्रदेश में मत्स्य उत्पादन की वर्तमान स्थिति एवं आगामी कार्य योजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आगामी 2 वर्षों में प्रदेश में मत्स्य उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में मत्स्य पालकों की आर्थिक समृद्धि के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की जाए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले मछुआरों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाए। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला स्तर पर मत्स्य महासंघ के माध्यम से मछुआरों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा रोजगार के नवीन अवसर सृजित किए जाएं। राज्यमंत्री श्री पंवार ने मत्स्य पालन एवं एक्वाकल्चर को प्रोत्साहित करने के लिये फार्म पॉन्ड मॉडल की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया। साथ ही सहकारिता के माध्यम से मछली पालन के साथ सिंघाड़ा, कमलगट्टा एवं मखाना जैसी पूरक गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, जिससे मत्स्य पालकों की आय में बहुआयामी वृद्धि सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। राज्यमंत्री श्री पंवार ने बताया कि वर्तमान में विभिन्न वर्गों की 2645 मछुआ समितियां पंजीकृत हैं, जिनकी कुल सदस्य संख्या 1,00,197 है। प्रदेश में 4.42 लाख हैक्टेयर जलक्षेत्र उपलब्ध है, जिसमें से 99 प्रतिशत क्षेत्र को मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है। मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। मंत्री श्री पंवार ने कहा कि जिन तालाबों में 6 से 9 महीने तक पानी रहता है, वहां बोनसाई सीड के जरिए मत्स्य उत्पादन किया जाए। मत्स्य समितियों की जांच कर फर्जी और निष्क्रिय सदस्यों को हटाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि असली मछुआरों को लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव स्वतंत्र कुमार सिंह, एमडी अनुराग चौधरी, डायरेक्टर मनोज कुमार पथरोलिया उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

वकील हत्याकांडः 30 हजार का इनामी मास्टरमाइंड गिरफ्तार, झांसी से दबोचा गया मास्टरमाइंड

>>> इस हत्याकांड को लेकर पूरे प्रदेश में वकीलों ने किया था प्रदर्शन

>>> जमीन का केस लड़ने के कारण उतारा था वकील को मौत के घाट

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी जिले के करैरा में बीते14 फरवरी को अधिवक्ता संजय सक्सेना की दिनदहाड़े हुई निर्मम हत्या के मामले में करैरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मास्टरमाइंड और 30 हजार रुपए के इनामी आरोपी को झांसी उप्र से गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस हत्याकांड के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर ली गई है। गौरतलब है इस हत्याकांड के बाद वकीलों में आक्रोश था और पूरे प्रदेश में वकीलों ने प्रदर्शन कर इस हत्याकांड को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और कामकाज भी बंद रखा था।

झांसी से दबोचा गया मास्टरमाइंड-

मंगलवार को एक पत्रकारवार्ता में करैरा के एसडीओपी डॉ आयुष जाखड़ (आईपीएस) ने बताया कि करैरा पुलिस को सूचना मिली कि हत्याकांड का मास्टरमाइंड सचिन रावत झांसी में देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और झांसी पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसडीओपी ने बताया कि बताया कि इस हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

न्यायालय जाते वक्त हुई थी हत्या-

14 फरवरी को एडवोकेट संजय कुमार सक्सेना रोज की तरह अपने घर से बाइक से पहाड़ी मार्ग होते हुए न्यायालय जा रहे थे। तभी रास्ते में घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन्हें रोककर गोली मार दी। गोली लगते ही उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस वारदात के मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल 6 विशेष टीमों का गठन कर एसपी अमन सिंह राठौड़ ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद इस हत्याकांड के सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया है।

शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पकड़े गए थे आरोपी-

15 फरवरी की सुबह आरोपियों की तलाश के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई इस शॉर्ट एनकाउंटर में तीन हत्या आरोपियों को दबोच लिया गया, जिनमें से एक आरोपी के पैर में गोली लगी इसके अलावा इस हत्याकांड में संलिप्त दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने शिवपुरी में प्रेस वार्ता कर पूरे हत्याकांड का खुलासा किया था। पुलिस ने इस मामले में बताया था कि जमीन का केस लड़ने के कारण आरोपियों ने सुपारी देकर एडवोकेट को मौत के घाट उतारवा दिया। हालांकि, वारदात का मास्टरमाइंड फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस द्वारा 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

शिवरात्रि मेले के झूले पर मधुमक्खियों का हमला, तीन बच्चे घायल

नागदा, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के नागदा में चंबल तट पर चल रहे सात दिवसीय शिवरात्रि मेले में मंगलवार दोपहर अचानक मधुमक्खियों के हमले से अफरा-तफरी मच गई। झूले पर बैठे बच्चों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिससे तीन बच्चे घायल हो गए।घटना के बाद मेले में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घायलों को तत्काल नागदा के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ. अनुराग के अनुसार मधुमक्खियों के डंक से प्रभावित तीन बच्चें जिनमें उमेश (13 वर्ष) पिता करणसिंह, शिवनारायण (15 वर्ष) और नैतिक (10 वर्ष)—को उपचार के लिए लाया गया। शिवनारायण और नैतिक आपस में सगे भाई बताए गए हैं। मेला प्रभारी बबीता रघुवंशी ने बताया कि झूले के पास किसी पेड़ पर संभवतः मधुमक्खियों का छत्ता था, जिसके कारण यह घटना हुई।

21 जोड़ों का दहेज मुक्त विवाह

जबलपुर (ए.)। सतलोक आश्रम उड़दन, बैतूल में संत रामपाल महाराज के सानिध्य में रविवार से शुरू हुए महा विशाल भंडारे समागम के सोमवार को दूसरे दिन शहर से भी बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। तीन दिनों तक चलने वाले इस महाविशाल समागम में लाखों की तादाद में

भक्तगण आकर भंडारा प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। समागम की शुरुआत अखंड पाठ की वाणी के साथ हुई। बोध दिवस के उपलक्ष्य में 15 से 17 फरवरी तक महा विशाल समागम मनाया जा रहा है, जिसमें 3 दिवसीय महा विशाल भंडारा व संत गरीबदास महाराज की अमृतमय वाणी का खुला पाठ आयोजित किया गया है, साथ ही अन्य कार्यक्रम जैसे रक्त दान शिविर, दहेज मुक्त विवाह का आयोजन 16 फरवरी को किया गया। इस बार संत रामपाल जी महाराज जी के पावन सानिध्य में 21 जोड़ों का दहेज मुक्त विवाह हुआ जो महज़ 17 मिनट में ही गुरुवाणी के माध्यम से संपन्न हुआ जिसमें किसी भी प्रकार का कोई बाहरी आडंबर देखने को नहीं मिला, वर व वधू ने साधारण कपड़े पहन रखे थे किसी भी प्रकार का कोई श्रृंगार देखने को नहीं मिला। इस 3 दिवसीय समागम में आश्रम की ओर से प्रेरणादायक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से संत रामपाल महाराज के संघर्ष के स्थान संत और परमात्मा के मिलन के बारे में बताया गया। देहदान शिविर में समागम के दूसरे दिन तक 2754 लोगों द्वारा देहदान के संकल्प फॉर्म भरें गए है।

पुरानी रंजिश पर मैकेनिक को चाकू से मारा

जबलपुर (ए.)। खितौला थानान्तर्गत कल सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दो लोगों ने एक मोटर मैकेनिक से विवाद कर उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। तभी आवाज सुनकर दो लोग आये और बीच बचाव करने लगे। इस बीच मैकेनिक किसी तरह जान बचाकर भागा और अपने घर में जाकर छुप गया। घटना में मैकेनिक के पेट व सीने में गंभीर चोटें आयीं है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। खितौला पुलिस ने बताया कि वार्ड नंबर-15 निवासी रमाकांत पटेल रेल्वे फाटक खितौला के पास मोटर साइकिल सुधारने की दुकान चलाता है। कल सुबह लगभग नौ बजे रमाकांत अपनी दुकान के बाजू से पीछे की ओर जाकर एक बबूल के पेड़ के पास खड़ा था तभी प्रिंस यादव और कृष्णा गोंटिया आये जो एक दिन पहले हुए विवाद को लेकर रमाकांत के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे।

विवाद करने से मना करने पर प्रिंस न अपने साथी कृष्णा गोंटिया से चाकू लेकर रमाकांत पर हमला कर दिया। बचाव करते समय पीछे हटे रमाकांत को चाकू सीने में नीचे तरफ व पेट के ऊपर लग गया तभी शोर शराबा होने पर रमाकांत की दुकान के कर्मचारी सोनू पटेल और लखन पटेल बाहर निकल आये जिन्होंने बीच बचाव का प्रयास किया तो रमाकांत अपनी जान बचाकर ब्रिज की ओर भागा और घर में जाकर छुप गया जिसे हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गये।

बाजेड़ा फांटा पर मार्किंग, स्ट्रक्चर पेंटिंग, सोलर बिलंकर कैट आइस एवं स्पीड ब्रेकर बनाए गए

रतलाम, (आरएनएस)। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा बाजेड़ा फांटा पर सड़क सुदृढ़ीकरण, दुर्घटना की रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा में सुधार हेतु एम पी आर डी सी के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर त्वरित कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था। कलेक्टर के निर्देशानुसार बाजेड़ा फन्टा चेनेज 103+900 पर रोड़ का रिन्युवल किया गया, जिस पर रोड़ मार्किंग एवं स्ट्रक्चर पेंटिंग एवं सोलर बिलंकर एवं कैट आइस का कार्य किया गया है। बाजेड़ा फन्टे से नामली साइड गलत दिशा (Wrong Side) जाने वाले वाहन के लिए (कृपया विपरित दिशा में वाहन न चलाये) एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्र एवं Go Slo2 के Sign Board एवं Delineators लगवाए गए है। बाजेड़ा फन्टे पर 30 जनवरी 2026 को सड़क सुरक्षा के बारे में सड़क इस्तेमाल करने वालों को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल के

तहत, सड़क इस्तेमाल करने वालों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने और गलत दिशा में गाड़ी चलाने से बचने की सलाह दी गयी।

मेडिकल बोर्ड अब जिला चिकित्सालय में संचालित होगा

इन्दौर (ए.)। जिला मेडिकल बोर्ड का संचालन अब जिला चिकित्सालय में होगा। यह व्यवस्था 18 फरवरी बुधवार से प्रारंभ की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने बताया कि जिला चिकित्सालय के निर्माणाधीन होने से मेडिकल बोर्ड का संचालन प्रत्येक बुधवार को पॉलि क्लिनिक हुकुमचंद (लाल अस्पताल) में किया जा रहा था। अब 18 फरवरी बुधवार से दिव्यांग बोर्ड एवं प्रत्येक शुक्रवार को सामान्य मेडिकल बोर्ड का संचालन अब पंडित गोविंद वल्लभ पंत जिला चिकित्सालय, इंदौर के परिसर में होगा। प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को प्रातः 09 बजे से प्रातः 10 बजे तक फार्म वितरण किए जाएँगे तथा सोमवार से गुरुवार आवेदन जमा किए जाएंगे।

व्यापार समाचार

ऑलटाइम हाई से 1.80 लाख रुपये सस्ती हुई चांदी, सोना भी 38,000 रुपये गिरा; जानें क्या हैं नई कीमतें

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। इस साल जनवरी में दोनों धातुओं के

भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे, जिसके बाद गिरावट शुरू हो गई। लगातार कई दिनों तक भारी उतार-चढ़ाव के बाद अब कीमतों में कुछ हद तक स्थिरता देखने को मिल रही है।

29 जनवरी को एमसीएक्स (MCX) पर चांदी का भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के लाइफटाइम हाई पर पहुंच गया था। इसी दिन सोना भी 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर दर्ज किया गया। इसके बाद से चांदी की कीमत में 1.80 लाख रुपये से अधिक और सोने में 38,000 रुपये से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। सोमवार को गिरावट के बाद मंगलवार को भी दोनों की कीमतों में कमी दर्ज की गई। मंगलवार को चांदी 4,685 रुपये टूटकर 2,35,206 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जो इसके लाइफटाइम हाई से 1,80,157 रुपये कम है। इसी तरह सोना एमसीएक्स पर 1,210 रुपये गिरकर 1,53,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो अपने ऑल टाइम हाई से 38,336 रुपये नीचे है।

दिल्ली के सर्राफा बाजार में 29 जनवरी 2026 को चांदी 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, जबकि सोना 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर था। 16 फरवरी को सर्राफा बाजार में चांदी 5,000 रुपये गिरकर 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो अपने रिकॉर्ड स्तर से 1,49,500 रुपये कम है। वहीं, सोना 700 रुपये की तेजी के साथ 1,59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, हालांकि यह भी अपने उच्चतम स्तर से 23,800 रुपये नीचे बना हुआ है। कुल मिलाकर, जनवरी के रिकॉर्ड स्तर के मुकाबले सोना और चांदी दोनों अभी भी काफी नीचे कारोबार कर रहे हैं।

एआई से नौकरियों में बदलाव आएगा, लेकिन यह एक बड़ा अवसर भी है : विप्रो के हरि शेट्टी

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड के चीफ स्ट्रैटेजिस्ट और टेक्नोलॉजी ऑफिसर हरि शेट्टी ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले वर्षों में नौकरियों की प्रकृति में बड़ा बदलाव लाएगा, लेकिन यह विकास और रोजगार के लिए एक बड़ा अवसर भी है। आईएएनएस से खास बातचीत में शेट्टी ने एआई को हमारे समय का सबसे बड़ा तकनीकी बदलाव बताया।उन्होंने मौजूदा एआई लहर की तुलना बिजली के आविष्कार, स्टीम इंजन और इंटरनेट क्रांति जैसी ऐतिहासिक तकनीकी खोजों से की। शेट्टी ने कहा कि एआई हमारे लिए सबसे बड़े तकनीकी अवसरों में से एक है। यह एक बहुआयामी तकनीकी बदलाव है, जो दुनिया भर के उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं को बदल देगा।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एआई वैश्विक स्तर पर लगभग 17 करोड़ (170 मिलियन) नई नौकरियां पैदा कर सकता है, जबकि करीब 9.2 करोड़ (92 मिलियन) नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, कुल मिलाकर 7 करोड़ (70 मिलियन) से अधिक अतिरिक्त नौकरियां बनने की संभावना है, जिससे इसका असर सकारात्मक रहेगा। उन्होंने माना कि काम करने के तरीके में बदलाव जरूर आएगा।

भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के बड़े अवसर मौजूद : वित्त मंत्री

नई दिल्ली,(आरएनएस)। यूरोपीय देश नॉर्वे की आधिकारिक यात्रा पर गई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वहां के लीडर्स से कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के बड़े अवसर मौजूद हैं।

नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, विशेष रूप से सौर ऊर्जा, रेयर अर्थ प्रोसेसिंग, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज में साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की।

वित्त मंत्रालय के एक पोस्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) का लाभ उठाते हुए विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन इकोनॉमी के साथ-साथ सॉवरेन वेल्थ और पेंशन फंड के माध्यम से निवेश के क्षेत्रों में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

स्टोल्टेनबर्ग ने विदेश मंत्री सीतारमण को बताया कि नॉर्वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस साल के अंत में होने वाली यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है और उम्मीद जताई कि इससे भारत-नॉर्वे सहयोग और बढ़ेगा।

सीतारमण ने ओस्लो स्थित संसद (स्टोर्टिंग) में वित्त समिति की प्रमुख तुवा मोफलैग, ईएफटीए समिति की उप प्रमुख ट्राइन लिसे सुंडनेस और नॉर्वे की संसद में भारतीय-नॉर्वेजियन मैत्री समूह के प्रमुख हिमांशु गुलाटी से भी बातचीत की।

मंत्रालय ने कहा, समिति के सदस्यों को यह जानकर खुशी हुई कि प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष के अंत में नॉर्वे की यात्रा करेंगे और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे द्विपक्षीय सहयोग में और वृद्धि होगी।

वित्त मंत्री ने समिति के सदस्यों को गिफ्ट-आईएफएससी का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया और बताया कि यह एक विश्व स्तरीय वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वित्तीय केंद्र है जो वित्तीय संस्थानों के लिए बुनियादी ढांचा और सेवाएं प्रदान करता है, साथ ही आईएफएससी के अंतर्गत काम करने वाली संस्थाओं के लिए विभिन्न कर लाभ और उदारीकृत नियामक व्यवस्था भी प्रदान करता है।

उनका नॉर्वे के सीईओ और निवेशकों के साथ गोलमेज चर्चा करने और एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों से मिलने का भी कार्यक्रम था।

बुढ़ापे में पैसों की टेंशन खत्म!

सरकार की इस स्कीम से हर महीने होगी 20,000 रुपये की कमाई, जानें निवेश का पूरा गणित

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत में नौकरीपेशा लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद अक्सर नियमित आय काफी कम या न के बराबर रह जाती है। ऐसे में अगर जीवनभर की गाढ़ी कमाई को सही जगह निवेश न किया जाए, तो सेविंग्स जल्द ही खत्म होने का डर बना रहता है। वरिष्ठ नागरिकों की इसी चिंता को दूर करने और उनके वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भारत सरकार 'सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम' (SCSS) चलाती है। यह एक स्मॉल सेविंग्स स्कीम है जो रिटायरमेंट के बाद बुजुर्गों को शानदार ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का मौका देती है। आकर्षक ब्याज दरों, हर तिमाही में भुगतान और सरकारी सुरक्षा की गारंटी के चलते यह योजना काफी लोकप्रिय है। आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि इस योजना के क्या नियम हैं और आप कैसे इसके जरिए हर महीने 20 हजार रुपये से ज्यादा की कमाई कर सकते हैं।

क्या है सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS)?

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम भारत सरकार द्वारा समर्थित एक सुरक्षित निवेश विकल्प है जिसे खासतौर पर बुजुर्गों के लिए डिजाइन किया गया है। इस योजना का लाभ 60 वर्ष से अधिक आयु के कोई भी भारतीय नागरिक उठा सकते हैं। इसके अलावा, जिन लोगों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) या सुपरएनुएशन लिया है, वे 55 से 60 वर्ष की आयु के बीच भी इसमें खाता खोल सकते हैं। कुछ विशेष शर्तों के तहत, रक्षा सेवाओं से रिटायर हुए अधिकारियों के लिए यह आयु सीमा 50 वर्ष रखी गई है। इस स्कीम में आप अपने नाम से सिंगल या फिर अपने जीवनसाथी के साथ जॉइंट अकाउंट खुलवा सकते हैं। इस खाते की परिपक्वता (मैच्योरिटी) अवधि पांच साल होती है, जिसे पूरा होने के बाद आप चाहें तो तीन साल के लिए और भी बढ़ा सकते हैं।

कितना कर सकते हैं निवेश और क्या है मौजूदा ब्याज दर?

इस सरकारी योजना में निवेश की शुरुआत मात्र 1,000 रुपये से की जा सकती है और इसके बाद 1,000 रुपये के गुणकों में पैसा जमा किया जा सकता है। हाल ही में सरकार ने इसकी अधिकतम निवेश सीमा को बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया है। सरकार द्वारा इस योजना पर फिलहाल 8.2 प्रतिशत की आकर्षक दर से ब्याज दिया जा रहा है। सरकार अर्थव्यवस्था और महंगाई दर के आधार पर समय-समय पर इन ब्याज दरों की समीक्षा करती है। इस स्कीम में ब्याज का भुगतान सालाना की जगह हर तिमाही (अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर और जनवरी के पहले कार्य दिवस पर) किया जाता है, जिससे रिटायर हो चुके लोगों के हाथ में नियमित तौर पर पैसा आता रहे।

यूएई के बजाय अब अमेरिका से सोना-चांदी का आयात बढ़ाएगा भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पहले ही अमेरिका से तेल और गैस की खरीद बढ़ाई है। अब सरकार की योजना कीमती धातुओं के आयात में भी बदलाव करने की है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भारत अब यूएई के बजाय अमेरिका से अधिक सोना और चांदी खरीदने की तैयारी कर रहा है।

इस कदम से सोना-चांदी की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है और अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन (ट्रेड सरप्लस) भी कम हो सकता है।

अमेरिका सोना और चांदी के व्यापार का एक बड़ा वैश्विक केंद्र है। यह सोना (जिसमें स्क्रैप और वेस्ट भी शामिल है) और चांदी का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका कनाडा, भारत और ब्रिटेन जैसे देशों को अरबों डॉलर की कीमती धातुएं निर्यात करता है। इन निर्यातों में कच्चा, परिष्कृत और आभूषण रूप में तैयार सोना-चांदी शामिल होता है। भारत अमेरिका को लगभग 2.8 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से करीब 1.5 अरब डॉलर का आयात करता है। इस तरह गैर-समुद्री कृषि उत्पादों में भारत को करीब 1.3 अरब डॉलर का व्यापारिक अधिशेष (सरप्लस) हासिल है।

अधिकारी ने बताया कि भारत में आयात होने वाले किसी भी कृषि उत्पाद को जैव-सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा। देश में जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) खाद्य पदार्थों की अनुमति नहीं है। अमेरिका से आयात होने वाले कुछ कृषि उत्पादों पर टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) भी लागू है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता भारत के डेटा सेंटर उद्योग के लिए बड़ा अवसर साबित हो सकता है। इससे उन्नत तकनीक तक पहुंच, निवेश में वृद्धि और परिचालन लागत में कमी आएगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अमेरिका से ट्रेड डील

पीयूष गोयल के मुताबिक ट्रेड डील में रूसी तेल का मुद्दा नहीं है। इसलिए इस पर विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैँ। प्रधानमंत्री से तो स्पष्टीकरण की अपेक्षा ही नहीं है।अमेरिका से ट्रेड डील में रूसी तेल के मुद्दे को शामिल करने से भारत को आर्थिक के साथ-साथ प्रतिष्ठा का इतना बड़ा नुकसान हुआ है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री इसकी जवाबदेही एक दूसरे पर टालने की जुगत में दिखे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक उन्होंने जो डील की, उसमें यह मुद्दा नहीं है, इसलिए इस बारे में विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बारे में गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैँ। प्रधानमंत्री चूंकि असहज करने वाले सवालों पर कभी कुछ नहीं बोलते, इसलिए उनसे कोई स्पष्टीकरण मिलने की संभावना वैसे भी नहीं है।ये सच है कि ट्रेड डील से संबंधित साझा बयान में इस मसले का जिक्र नहीं है। लेकिन साझा बयान जारी होने के साथ ही व्हाइट हाउस ने अलग विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारत रूसी तेल की खरीदारी रोकने पर राजी हुआ है। यह भी बताया कि भारत कहीं चोरी-छिपे तेल ना खरीद ले, इसकी निगरानी अमेरिका के तीन मंत्री करेंगे। भारत सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने इस अमेरिकी एलान का खंडन नहीं किया। उलटे मंत्री इसकी जवाबदेही दूसरे पर टालते दिखे हैं। इसलिए इसे ट्रेड डील का हिस्सा मान लिया गया है और बाजार में उसका असर दिखने लगा है। पहली मार गुजरात के वाडीनगर में स्थित नायरा रिफाइनरी पर पड़ती दिखी है।रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसनेफ्त की इसमें सबसे बड़ी शेयरहोल्डिंग है। इसमें अधिकतर रूस से आए कच्चे तेल का शोधन किया जाता है। लेकिन अब अमेरिका से ट्रेड डील के बाद इस रिफाइनरी का चलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। तो ये चर्चा शुरू हो गई है कि रोसनेफ्त के शेयर खरीद कर कोई भारतीय कंपनी इसकी मालिक बनेगी और फिर वह अन्य स्रोतों से आए तेल का शोधन करेगी। अनुमान है कि यह तेल अधिकांशत: अमेरिका से आएगा। मगर यह महंगा सौदा है। अमेरिका से तेल ऊंचे भाव में मिलेगा। परिवहन खर्च पर बड़ी कीमत चुकानी होगी। उधर अमेरिकी दबाव में आने के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को पहुंची हानि अलग है। इसीलिए इसकी जवाबदेही पर मुंह छिपाने की जरूरत पड़ी है।

भारत में एआई का वैश्विक महाकुंभ- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक नए तकनीकी युग की दिशा

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भविष्य में जब एआई मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा, तब यह महाकुंभ उस परिवर्तनकारी यात्रा की आधारशिला के रूप में स्मरण किया जाएगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत क़ा न केवल तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन होगा, बल्कि वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने का साहस भी दिखेगा वैश्विक स्तरपर 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परिदृश्य के केंद्र में स्थापित कर दिया है। नई दिल्ली में आयोजित यह पाँच दिवसीय महाकुंभ केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने वाला मंच बनकर उभरा है। इस समिट के साथ आयोजित एआई एक्सपो में लगभग 65 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक स्टार्टअप्स की उपस्थिति 13 देशों केपवेलियन 2.5 लाख से अधिक संभावित आगंतुक, 500 से अधिक सत्र और 3250 से अधिक वक्ता एवं पैनल सदस्य शामिल हो रहे हैं,जो वैश्विक स्तरपर रेखांकित करने वाली बात है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह आयोजन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास, कूटनीतिक परिपक्वता और नवाचार-नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तरपर एआई को लेकर दो प्रमुख विमर्श सामने आ सकते हैं,एक ओर विनाशकारी जोखिम, नियामक ढांचा और नैतिकता; तो दूसरी ओर नवाचार, समावेशन और विकास। भारत इस समिट के माध्यम से इन दोनों ध्रुवों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।जहाँ पूर्ववर्ती वैश्विक चर्चाएँअधिकतर जोखिमों और नियंत्रण पर केंद्रित थीं, वहीं नई दिल्ली इस बहस को जिम्मेदार,समावेशी और विकासोन्मुख एआई की दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है एआई को भय का नहीं, बल्कि अवसर का माध्यम मानने का दृष्टिकोण।

साथियों बात कर हम इस महत्वपूर्ण समिट को समझने की करें तो समिट का उद्घाटन 16 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शाम 5 बजे एआई एक्सपो के उद्घाटन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने एआई को मानवता के लिए परिवर्तनकारी शक्ति बताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य केवल तकनीकी उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि वैश्विक एआई आर्किटेक्चर के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनना है। उनके संबोधन में यह स्पष्ट संदेश था कि भारत एआई को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और सतत विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहता है।एआई एक्सपो इस समिट का जीवंत और व्यावहारिक आयाम है। यहाँ विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियाँ,उभरते स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालय,अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक ही मंच पर

उपस्थित हैं। 13 देशों के पवेलियन ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया ताजिकिस्तान और अफ्रीका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व एआई इकोसिस्टम में वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं। ये पवेलियन केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि तकनीकी साझेदारी,निवेश अवसर और नीति संवाद केएक प्रमुख केंद्र बन गए हैं।

साथियों बात अगर हम इस सबमिट की रूपरेखा को समझने की करें तो, 17 फरवरी को समिट का दूसरा दिन एप्लाइड एआई पर केंद्रित होगा।स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, कृषि,महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर विस्तृत चर्चाएँ होंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स, टेलीमेडिसिन और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स की संभावनाओं पर विचार किया जायेगा। ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट ग्रिड और कार्बन उत्सर्जन मॉनिटरिंग पर एआई के उपयोग को रेखांकित किया गया।शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने (पर्सनलाइज्ड लर्निंग) और एआई ट्यूटरिंग सिस्टम्स की संभावनाएँ सामने होंगी । कृषि में प्रिसीजन फार्मिंग, मौसम पूर्वानुमान और सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन जैसे उदाहरण प्रस्तुत हो सकते हैं। इस दिन प्रमुख नॉलेज कम्पेंडियम्स और केसबुक्स भी जारी होंगें, जो नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी होंगे। 18 फरवरी को आयोजित रिसर्च सिम्पोज़ियम और इंडस्ट्री सेशन ने अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच पुल का कार्य होगा।शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और थिंक टैंकों ने अत्याधुनिक एआई अनुसंधान, उभरती पद्धतियों और साक्ष्य- आधारित नीति अंतर्दृष्टि प्रस्तुत होंगी।इस मंच पर एआई मॉडल की पारदर्शिता,एल्गोरिदमिक बायस, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन विमर्श होगा।यह स्पष्ट होगा कि एआई का भविष्य केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं, बल्कि नैतिकता और जवाबदेही पर भी आधारित होगा।19 फरवरी को 20 से अधिक देशों के नेताओं की उपस्थिति ने इस समिट को वैश्विक राजनीतिक महत्व प्रदान किया जायेगा। इस दिन एआई पर सामूहिक प्रतिबद्धताओं, वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करने और आने वाले एआई दशक में भारत की भूमिका को परिभाषित करने पर चर्चा होंगी। उच्च- स्तरीय सीईओ राउंडटेबल में वैश्विक उद्योग नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माताओं ने जिम्मेदार एआई के भविष्य पर विचार-विमर्श जायेगा।यहाँ यह स्वीकार किया गया कि एआई से रोजगार के स्वरूप में बदलाव आएगा, परंतु साथ ही नई नौकरियों और कौशलों की मांग भी उत्पन्न होगी। साथियों बात अगर हम रोजगार का प्रश्न इस समिट के माध्यम से समझने की करें तो यह केंद्रीय चिंता होंगी.कई वैश्विक सीईओ और एआई शोधकर्ताओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि ऑटोमेशन और जनरेटिव एआई के कारण पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा सकता है। परंतु समिट में यह भी रेखांकित किया जा सकता है कि एआई डेटा साइंस,मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा, एआई एथिक्स और मानव- एआई सहयोग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियाँ सृजित करेगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अवसर है कि वह कौशल विकास और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर इस परिवर्तन को सकारात्मक दिशा दे। साथियों बात अगर हम एआई और सुरक्षा का मुद्दा इसको समझने की करें तो यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठा सकता है, साइबर हमले,डीपफेक, डेटा दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा।एआई के सैन्य उपयोग और स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर भी विचार होगा,जिसमें जिम्मेदार उपयोग और अंतरराष्ट्रीय मानकों की आवश्यकता को रेखांकित किया जायेगा डेटा सेंटर और पर्यावरणीय प्रभाव का प्रश्न भी चर्चा का महत्वपूर्ण विषय होगा। बड़े-बड़े डेटा सेंटर ऊर्जा की भारी खपत करते हैं और कार्बन उत्सर्जन बढ़ा सकते हैं। समिट में ग्रीन एआई, ऊर्जा-कुशल चिप्स और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित डेटा सेंटर की अवधारणा पर विचार किया जा सकता है। यह स्पष्ट होगा कि तकनीकी प्रगति को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करना अनिवार्य है। 20 फरवरी को ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (जीपीएआई) परिषद की उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित होंगी। सदस्य देशों केप्रतिनिधियों ने एआई पर सहयोग बढ़ाने की प्रगति की समीक्षा की और जिम्मेदार एवं समावेशी एआई के लिए नए बहुपक्षीय विकल्पों पर विचार होगा।बैठक के अंत में लीडर्स डिक्लेरेशन को अपनाया गया,जिसमें सामूहिक प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए वैश्विक एआई शासन और सहयोग के लिए साझा रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

(रायपुर) मुख्यमंत्री विष्णु देव ने कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में कुम्हार के चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और कलश गढ़कर पारंपरिक शिल्प के प्रति सम्मान और जुड़ाव का सशक्त संदेश दिया।

(चिंतन-मनन) व्यवहार से ही मिल गया सवाल का जवाब

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया।

उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली। तब दार्शनिक ने कहा - विवेक जाग्रत होने पर व्यक्ति को अपनी भूलों का अहसास होने लगता है। मन शांत होने से स्थिरता आती है और दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभूति स्वर्ग है। सेनापति को अपने प्रश्न का उत्तार मिल गया। सार यह है कि आत्मनियंत्रण से विवेक उपजता है, जिसके कारण अनुचित कर्म या व्यवहार पर रोक लगती है और जीवन में शांति व संतोष की अनुभूति होती है।

शी-बॉक्स पोर्टलः कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का डिजिटल कवच

सावित्री ठाकुर

भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने महिला-नेतृत्वित विकास को राष्ट्रीय प्रगति का केंद्र बिंदु बनाया है। महिलाओं की समावेशी आर्थिक वृद्धि में निर्णायक भूमिका को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील कार्य वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे महिलाएं आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसी दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति, संरचना और प्रभावी क्रियान्वयन का विषय बनाया है। नारी शक्ति को राष्ट्र की उन्नति का आधार मानते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक संस्थागत सुधार किए गए हैं। इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया शी-बॉक्स पोर्टल, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त डिजिटल मंच के रूप में उभरा है।

आज भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई। सरकारी और निजी क्षेत्रों के साथ-साथ स्टार्टअप्स, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और असंगठित क्षेत्रों में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि कार्यस्थल सुरक्षित, सम्मानजनक और भय-मुक्त हों। कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) इसी उद्देश्य से बनाया गया था। मोदी सरकार ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल गवर्नेंस के तहत शी-बॉक्स पोर्टल को 29 अगस्त 2024 को तकनीकी सुधारों के साथ पुन: लॉन्च किया, जिससे यह अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और पारदर्शी बन सके।

यह पोर्टल देशभर में गठित आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार प्रदान करता है।

शी-बॉक्स पोर्टल का उन्नत संस्करण महिलाओं को सीधे संबंधित आईसी या एलसी के पास शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। इससे शिकायत प्रक्रिया में होने वाली देरी और अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप में कमी आती है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक भी कर सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंच सरकारी या निजी, संगठित या असंगठित - हर क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए समान रूप से सुलभ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार की महिला सुरक्षा की नीति किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समावेशी है।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप, शी-बॉक्स महिलाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति ट्रैक करने की सुविधा देता है। पोर्टल पर दर्ज की गई शिकायत सीधे संबंधित कार्यस्थल की आंतरिक समिति या जिले की स्थानीय समिति तक पहुँचती है। गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि आंतरिक समिति की अध्यक्ष के अलावा कोई अन्य व्यक्ति शिकायत का विवरण नहीं देख सकता, जिससे पीड़िता की पहचान सुरक्षित रहती है।

पॉश अधिनियम के तहत सरकार का दायित्व है कि वह शिकायतों से संबंधित आंकड़ों का संधारण और निगरानी करे। इस अधिनियम के अंतर्गत किसी भी शिकायत की जाँच के लिए 90 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है, जिसका पालन सुनिश्चित करने में शी-बॉक्स पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा डैशबोर्ड अलर्ट, ईमेल और मेसेज के माध्यम से नियमित रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं। यह सक्रिय प्रणाली मोदी सरकार की उत्तरदायित्व और परिणाम आधारित शासन की सोच को दर्शाती है। शी-बॉक्स की प्रभावशीलता में नोडल अधिकारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कार्यस्थल पर नियुक्त नोडल अधिकारी, नियोक्ता, आंतरिक/स्थानीय समिति और शिकायतकर्ता के बीच समन्वय स्थापित करते हैं। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि शिकायतें केवल दर्ज न हों, बल्कि उन पर समय पर और नियमानुसार कार्रवाई भी हो।महिला-केंद्रित नीतियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज देश में 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, और लखपति दीदी जैसी पहल के माध्यम से लाखों महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं नमो ड्रोन दीदी जैसी अभिनव योजनाएँ महिलाओं को आधुनिक तकनीक, कृषि सेवाओं और उद्यमिता से जोड़ते हुए उन्हें नए और औपचारिक कार्यक्षेत्रों में प्रवेश का अवसर दे रही हैं।

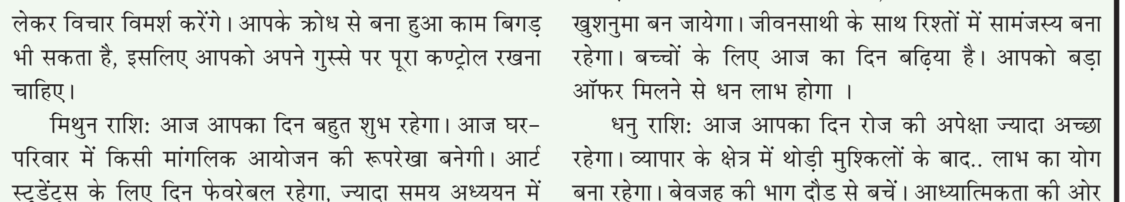

मेष राशि: आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में अपना सहयोग करेंगे। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी।

वृष राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आपके क्रोध से बना हुआ काम बिगड़ भी सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर पूरा कण्ट्रोल रखना चाहिए।

मिथुन राशि: आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में.. आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। करियर के क्षेत्र में भी आपको अपने गुरु का सहयोग मिलेगा आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्रोग्राम सफल होगा। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है। अपनी सेहत को ठीक रखने के लिये आज आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए, मौसमी सब्जियों का प्रयोग आपको स्वस्थ बनाये रखने में मदद करेगा।

कन्या राशि: आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम रहेंगे। आप अपने काम व जीवन के बीच बैलेंस बनाये रखेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वोमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियाँ लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा ।

धनु राशि: आज आपका दिन रोज की अपेक्षा ज्यादा अच्छा रहेगा। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद.. लाभ का योग बना रहेगा। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएँ अपने बच्चों के साथ बेहतर समय बिताएगी।

मकर राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार कर सकते हैं। आज आपके काम करने की कला से लोग आपसे प्रभावित होंगे

कुम्भ राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

मीन राशि:आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी ?

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदब दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे-बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो-दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ॠषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारुढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिंघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024-25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया।

17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिंघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिंघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा-शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंतत: उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ॠषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ॠषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था। झयुवा शबाना बर्मिंघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन 2010 में जब निवर्तमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिंघम से चुनाव लड़ने की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉर्स्क्कटो को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातीय धड़ेवाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतर्कतापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निर्दलीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं।

शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है

सीमा पर पिघली बर्फ, अब व्यापार की बारी! ड्रैगन के लिए एफडीआई नियमों में ढील देने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत और चीन के रिश्तों पर जमी बर्फ अब धीरे-धीरे पिघलती नजर आ रही है। सीमा पर तनाव कम होने के साथ ही मोदी सरकार अब आर्थिक मोर्चे पर भी एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार चीन से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के नियमों में ढील देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। अप्रैल 2020 में 'प्रेस नोट 3' के जरिए जिन चीनी निवेशों पर सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं, उन्हें अब कुछ शर्तों के साथ दोबारा खोलने की चर्चा तेज हो गई है। सरकार के इस संभावित फैसले का सीधा और सकारात्मक असर भारत की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री और 'मेक इन इंडिया' अभियान पर पड़ेगा।

सरकार मुख्य रूप से इस बात का आकलन कर रही है कि क्या चीन जैसे पड़ोसी देशों से आने वाले छोटे निवेशों को ऑटोमैटिक रूट से मंजूरी दी जा सकती है। इस पूरे मामले की जड़ साल 2020 में जारी हुए 'प्रेस नोट 3' में छिपी है। जब सीमा पर तनाव अपने चरम पर था, तब भारत सरकार ने यह नियम बनाया था कि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य होगी। इसका मुख्य मकसद भारतीय कंपनियों को चीनी अधिग्रहण से बचाना था। लेकिन अब सरकार एक 'डी मिनिमिस' (न्यूनतम) सीमा तय करने पर विचार कर रही है। इसका अर्थ यह है कि अगर कोई चीनी निवेश एक निश्चित छोटी रकम या हिस्सेदारी तक सीमित रहता है, तो उसे सरकारी मंजूरी की लंबी और जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। हालांकि, यह स्पष्ट कर दिया गया है कि प्रेस नोट 3 को पूरी तरह खत्म नहीं किया जाएगा, बल्कि उसमें केवल व्यावहारिक ढील दी जाएगी। भारतीय बाजार और इंडस्ट्री की नब्ज को समझने वाली घरेलू कंपनियां पिछले कुछ महीनों से सरकार को इसके लिए लगातार संकेत दे रही हैं। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की कंपनियों ने सरकार से अपील की है कि चीनी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर (JV) की अनुमति दी जाए। इन कंपनियों का तर्क बेहद व्यावहारिक है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए चीनी सप्लाई चेन और उनकी एडवांस टेक्नोलॉजी की सख्त जरूरत है। इंडस्ट्री ने सरकार को एक बीच का रास्ता सुझाया है, जिसके तहत चीनी कंपनियों को ज्वाइंट वेंचर में अधिकतम 26 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति दी जा सकती है। यह आंकड़ा इसलिए अहम है क्योंकि इससे चीनी कंपनियों को बाजार का फायदा तो मिलेगा, लेकिन कंपनी का पूरा प्रशासनिक और रणनीतिक कंट्रोल भारतीय हाथों में ही सुरक्षित रहेगा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य साजिद चिनॉय ने भी हाल ही में इस दिशा में एक महत्वपूर्ण तर्क दिया था। उनका मानना है कि चीन से आने वाले सामानों पर सिर्फ आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने से लंबी अवधि में काम नहीं चलेगा। इसके बजाय, भारत को चीनी निवेश को सावधानीपूर्वक अनुमति देनी चाहिए।

इजरायली महिला से गैंगरेप-हत्या के मामले में बड़ा फैसला, कोर्ट ने तीनों दरिंदों को सुनाई फांसी की सजा

कोप्पल (आरएनएस)। कर्नाटक के कोप्पल जिले से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। गंगावती स्थित सत्र न्यायालय ने एक इजरायली महिला पर्यटक और एक होमस्टे मालकिन के साथ हुए दिल दहला देने वाले बलात्कार और हत्या के मामले में अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले तीनों दोषियों को मौत की सजा मुकर्रर की है। इन दोषियों की पहचान मल्लेश उर्फ हांडीमल्ला, साई और शरणप्पा के रूप में हुई है। गंगावती जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश सदानंद नागप्पा नायक ने इस अपराध को 'रेयर ऑफ द रेयरेस्ट' (दुर्लभ से दुर्लभ) श्रेणी में रखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध के लिए अधिकतम सजा ही सबसे उचित है। मार्च 2025 में हुई इस खौफनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और इसकी व्यापक निंदा हुई थी।

100 रुपये के लिए शुरू हुआ था विवाद

इस वारदात की शुरुआत 26 मार्च 2025 की रात को हुई थी। उस समय 29 वर्षीय होमस्टे मालकिन अपने चार पुरुष मेहमानों के साथ डिनर करने के बाद तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे म्यूजिक सुनते हुए तारे देखने गई थीं। शांति से समय बिता रहे इन लोगों के पास अचानक बाइक पर सवार होकर तीन लोग पहुंचे। उन्होंने पहले पेट्रोल के बारे में पूछताछ की और फिर वहां मौजूद इजरायली महिला से 100 रुपये की मांग करने लगे। जब विदेशी पर्यटक ने बिना कारण पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो तीनों बदमाशों ने उग्र होकर उन पर हमला बोल दिया।

मोहाली में फोर्टिस अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी, सीएम मान इसी में भर्ती; स्कूलों को भी आया मेल

मोहाली(आरएनएस)। देश में लगातार हर दिन बम की धमकियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। आज सुबह पंजाब में मोहाली के स्कूलों को फिर से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि ये धमकी एक मेल के जरिए दी गई है। इसके बाद पुलिस एक्शन में आ गई। स्कूलों को खाली करवा दिया गया है।

इस थ्रेट मेल में फोर्टिस अस्पताल का भी जिक्र किया गया है। यहां ष्टरू भगवंत मान भर्ती हैं। जानकारी के मुताबकि, सुबह साढ़े 8 बजे के करीब यह मेल आई। बता दें पिछले कल सोमवार से ही स्कूलों का समय बदला गया है। जानकारी के मुताबिक बच्चे स्कूल में पहुंच गए थे। वहीं, जैसे ही पता चला कि मेल में फोर्टिस अस्पताल का भी जिक्र है, तो सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। तुरंत पुलिस के दस्ते व अधिकारी मौके पर पहुंच गए। वहीं धमकी मिलने के बाद फेज-2 के ज्ञान ज्योति स्कूल में छुट्टी कर दी है। स्कूल के अंदर टीम चेकिंग कर रही है। मेल में बम बलास्ट का 11 बजे समय लिखा गया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ा खुलासा, इस साजिश के पीछे बिश्नोई गैंग; जेल से रची गई पूरी प्लानिंग

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इस हमले की साजिश बिश्नोई गैंग के महाराष्ट्र प्रमुख शुभम लोनकर और उसके भाई प्रवीण लोनकर ने रची थी। खास बात यह है कि प्रवीण लोनकर इस वक्त बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में जेल में बंद है। इसके बावजूद उसने रोहित शेट्टी पर हमले के लिए हथियार और आर्थिक मदद मुहैया कराई।

क्राइम ब्रांच को शक है कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए ही इस पूरे अपराध का नेटवर्क तैयार किया। पुलिस के अनुसार, इस साजिश में शामिल मुख्य शूटर समेत अब तक पुणे, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रवीण लोनकर फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और जल्द ही उसे इस मामले में औपचारिक रूप से पुलिस कस्टडी में लिया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, पिस्तौल और हमले के लिए जरूरी रकम प्रवीण लोनकर के निर्देश पर ही उपलब्ध कराई गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल में बंद रहते हुए प्रवीण ने यह सब कैसे मैनेज किया। वह किन लोगों के संपर्क में था और संदेशों के आदान-प्रदान के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए क्राइम ब्रांच की 12 टीमें काम कर रही हैं। प्रवीण लोनकर की कस्टडी मिलने के बाद साजिश के बाकी लिंक और बिश्नोई गैंग की आगे की योजनाओं से पर्दा उठ सकेगा।

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज के साथ हादसा, घर में गिरने के बाद दोनों पैरों में फ्रैक्चर

अंबाला (आरएनएस)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज आपने आवास पर गिर गए, जिससे उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। चोट लगने के बावजूद विज 'चल री सजनी अब क्या सोचेज' गुनगुनाते रहे। 20 फरवरी से हरियाणा विधानसभा का सत्र शुरू होना है। हर बार सदन में अपने तेवरों और बेबाक बयानों से सुर्खियों में रहने वाले विज इस बार शायद सदन में नजर न आएं।

डॉक्टरों की सलाह को देखते हुए माना जा रहा है कि वे सत्र में शामिल नहीं हो पाएंगे। फिलहाल समर्थक उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं, जबकि खुद विज ने अपने अंदाज से साफ कर दिया है कि हौसला अब भी बुलंद है। विज विधानसभा सत्रों में कभी भी अनुपस्थित नहीं रहे।

बता दें कि हाल ही में कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में मंत्री अनिल विज और एसपी उपासना के बीच एएसआई संदीप के निलंबन को लेकर तीखी बहस हुई थी। विज ने तत्काल निलंबन का आदेश दिया, लेकिन एसपी ने कुरुक्षेत्र के कर्मचारी को निलंबित करने की अपनी शक्ति से इनकार किया। इसको लेकर परिवहन मंत्री ने अपनी नाराजगी व्यक्त की और अपनी बात पर जोर दिया। बैठक में अन्य पुलिस जांच और भ्रष्टाचार के मामलों पर भी चर्चा हुई, जिस पर विज ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

पटना में राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बिहार विधानसभा के बाहर लोजपा (रामविलास) विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

पुणे जमीन घोटाला : एनसीपी नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत, जांच समिति ने दी क्लीन चिट

मुंबई(आरएनएस)। पुणे की चर्चित जमीन खरीद मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत मिली है। समिति ने पार्थ पवार को क्लीन चिट देते हुए दो सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खरगे की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने पाया कि जमीन सौदे में पार्थ पवार की सीधी अनियमितता साबित नहीं होती, हालांकि सौदे की प्रक्रिया में शामिल दो अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। रिपोर्ट में हवेली के तहसीलदार सूर्यकांत येवले और असिस्टेंट रजिस्ट्रार रविंद्र तारू के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। दोनों अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और वे फिलहाल जेल में हैं। यह जमीन पुणे के मुंढवा इलाके में स्थित है, जिसे अजित पवार और सुनेत्रा पवार के पुत्र पार्थ पवार की 'अमेडिया' कंपनी ने खरीदा था। आरोप था कि करीब 1800 करोड़ रुपए बाजार मूल्य वाली जमीन मात्र 300 करोड़ रुपए में खरीदी गई और 21 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी भी माफ कर दी गई। मामला सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

विवाद बढ़ने पर तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस सौदे को रद्द करने की घोषणा की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्तृत जांच के आदेश दिए थे। अब जांच रिपोर्ट राजस्व मंत्री को सौंप दी गई है और जल्द ही इसे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

लगभग 1800 करोड़ रुपए मूल्य की महार वतन जमीन को 300 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के आरोपों की जांच कर रही समिति ने अपनी रिपोर्ट सोमवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को सौंप दी।

रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ गई है। जहां पार्थ पवार को मिली राहत को उनके समर्थक बड़ी जीत मान रहे हैं, वहीं विपक्ष का कहना है कि मामले में कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। आने वाले दिनों में सरकार की कार्रवाई और रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

इजरायली महिला से गैंगरेप-हत्या के मामले में बड़ा फैसला, कोर्ट ने तीनों दरिंदों को सुनाई फांसी की सजा

कोप्पल (आरएनएस)। कर्नाटक के कोप्पल जिले से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। गंगावती स्थित सत्र न्यायालय ने एक इजरायली महिला पर्यटक और एक होमस्टे मालकिन के साथ हुए दिल दहला देने वाले बलात्कार और हत्या के मामले में अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले तीनों दोषियों को मौत की सजा मुकर्रर की है। इन दोषियों की पहचान मल्लेश उर्फ हांडीमल्ला, साई और शरणप्पा के रूप में हुई है। गंगावती जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश सदानंद नागप्पा नायक ने इस अपराध को 'रेयर ऑफ द रेयरेस्ट' (दुर्लभ से दुर्लभ) श्रेणी में रखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध के लिए अधिकतम सजा ही सबसे उचित है। मार्च 2025 में हुई इस खौफनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और इसकी व्यापक निंदा हुई थी। 100 रुपये के लिए शुरू हुआ था विवादइस वारदात की शुरुआत 26 मार्च 2025 की रात को हुई थी। उस समय 29 वर्षीय होमस्टे मालकिन अपने चार पुरुष मेहमानों के साथ डिनर करने के बाद तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे म्यूजिक सुनते हुए तारे देखने गई थीं। शांति से समय बिता रहे इन लोगों के पास अचानक बाइक पर सवार होकर तीन लोग पहुंचे। उन्होंने पहले पेट्रोल के बारे में पूछताछ की और फिर वहां मौजूद इजरायली महिला से 100 रुपये की मांग करने लगे। जब विदेशी पर्यटक ने बिना कारण पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो तीनों बदमाशों ने उग्र होकर उन पर हमला बोल दिया।

उपराज्यपाल के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार अच्छे नतीजे दे रही है: CM रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नेहरू प्लेस स्थित छह मंजिला मल्टी-लेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल जी का मार्गदर्शन दिल्ली के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केंद्र और उपराज्यपाल जी के साथ समन्वय स्थापित करने का अपेक्षित प्रयास नहीं किया, जिस कारण अनेक जनहित से जुड़े कार्य वर्षों तक लंबित रहे। इसके विपरीत, उपराज्यपाल महोदय ने विभिन्न स्थलों का स्वयं निरीक्षण कर नालों की सफाई, सड़कों के निर्माण व बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की लगातार निगरानी की। वह उस समय भी दिल्लीवासियों की सेवा में सक्रिय रहे, जब व्यवस्थाएं ठहराव का सामना कर रही थीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल जी के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रही है और अच्छे नतीजे दे रही है। इसी संयुक्त प्रयास से दिल्ली को साफ, सुव्यवस्थित और विकसित बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।मल्टी-लेवल पार्किंग की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह नई छह मंजिला आधुनिक पार्किंग एक समय में 650 चार पहिया और 352 दोपहिया वाहन खड़े करने की क्षमता रखती है। रोटेशन के आधार पर यहां प्रतिदिन करीब 2,000 वाहनों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसे दिल्ली की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी के जिन इलाकों में पार्किंग की कमी है, वहां डीडीए की उपलब्ध जमीन पर पार्क या पार्किंग बनाने की व्यापक योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व पंजाबी बाग में ऑटोमेटिक मल्टी-लेवल पजल पार्किंग और ग्रेटर कैलाश में आधुनिक ऑटोमेटिक शटल पार्किंग का उद्घाटन किया जा चुका है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में प्रस्तावित कई पार्किंग परियोजनाएं फाइलों में ही लंबित रहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रुके हुए विकास कार्यों को गति देना जनता के एकमत की शक्ति का परिणाम है। उन्होंने उपराज्यपाल जी के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में जो भी उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं, उनमें उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बारामती विमान हादसे में फ्लाइट रिकॉर्डर डाटा सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया तेज,एएआईबी की जांच जारी

बारामती (आरएनएस)। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 28 जनवरी को बारामती में हुए लियरजेट 45 वीटी-एसएसके दुर्घटना की जांच को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। ब्यूरो के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना एवं घटना जांच नियम, 2017 और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के मानकों, विशेष रूप से आईसीएओ अनुलग्नक 13 के तहत सख्ती से की जा रही है। एएआईबी ने बताया कि विमान में दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे। दुर्घटना के दौरान दोनों रिकॉर्डर लंबे समय तक अत्यधिक हीट के संपर्क में रहे, जिससे उनमें आग से नुकसान हुआ। इसके बावजूद जांच एजेंसी तकनीकी साक्ष्यों को सुरक्षित रूप से प्राप्त करने की प्रक्रिया में जुटी है। एल3-संचार द्वारा निर्मित डिजिटल फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) का डाटा एएआईबी के फ्लाइट रिकॉर्डर प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। वहीं हनीवेल द्वारा निर्मित कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) का विस्तृत तकनीकी परीक्षण जारी है। डाटा पुनर्प्राप्ति के लिए निर्माण देश के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि से विशेष तकनीकी सहायता भी मांगी गई है।जांच एजेंसी ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित तकनीकी और प्रक्रियात्मक मानकों के अनुरूप, निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित तरीके से की जा रही है। एएआईबी ने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखते हुए जांच के उपयुक्त चरण पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

ब्यूरो ने सभी हितधारकों और आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अटकलों से बचें और स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार जांच को आगे बढ़ने दें। अधिकारियों के अनुसार, इस जांच का उद्देश्य दुर्घटना के कारणों का वैज्ञानिक और निष्पक्ष निष्कर्ष निकालना है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और विमानन सुरक्षा को ज्यादा मजबूत बनाया जा सके।28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती हवाई अड्डे के पास विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस त्रासदी की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी का बड़ा फैसला, कैंपस में एक महीने के लिए विरोध प्रदर्शन और पब्लिक मीटिंग पर लगी पूरी तरह रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली यूनिवर्सिटी (D U) से छात्रों और छात्र संगठनों से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंकाओं के मद्देनजर डीयू प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कैंपस में किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन पर एक महीने के लिए पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। इस आदेश के बाद अब अगले एक माह तक यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर कोई भी पब्लिक मीटिंग, जुलूस, प्रदर्शन या धरना आयोजित नहीं किया जा सकेगा। यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर ऑफिस की तरफ से 17 फरवरी को इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह रोक उन इनपुट्स के आधार पर लगाई गई है, जिनमें अंदेशा जताया गया था कि कैंपस में बिना रोक-टोक के भीड़ इकट्ठा होने से हालात बिगड़ सकते हैं और कानून-व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। इस आदेश में सिविल लाइंस के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर (ACP) के उस पूर्व निर्देश का भी हवाला दिया गया है,।

महिलाओं और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करना सही लगता है : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने प्रोड्यूसर के रूप में महिलाओं पर आधारित और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है और इस काम में उन्हें खास महसूस होता है। एक आर्टिस्ट के तौर पर यह उनके लिए एक बड़े मकसद का हिस्सा है। श्वेता ने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है।

इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं और यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जो इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता खुद भी अभिनय कर रही हैं। श्वेता पहले भी क्वीर प्ले कॉक को प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो माइक बार्टलेट की ओलिवर अवॉर्ड विनर ड्रामा है। कई शहरों में ये ड्रामा प्ले हुआ और दर्शकों से इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला।

अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए यह बहुत पर्सनल है। अगर हम समाज में कोई खास बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद इसका हिस्सा बनकर शुरुआत करनी होगी। महिलाओं और क्वीर लाइफ की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें वह जगह और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और कुछ बनाने का मौका मिला है, तो मुझे इसका सही इस्तेमाल करना है।

वह चाहती हैं कि यह कहानी दर्शकों को जानी-पहचानी और खास लगे। उनका मानना है कि क्वीर कहानियां असरदार होने के लिए जोरदार या सनसनीखेज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया, कभी-कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन आपके साथ रहती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं।

श्वेता ने आगे कहा, यह वह रास्ता लगता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं पर आधारित विषयों को सपोर्ट करना, क्वीर आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मेरे लिए एक आर्टिस्ट के तौर पर घर जैसा और बड़े मकसद का हिस्सा है। अभिनेत्री जल्द ही मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल समेत पुराने और नए कलाकार शामिल हैं।

आरुषि चावला द 50 से हुई बाहर, महल बना जंग का मैदान

द 50 शो इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है, जिसमें सभी खिलाड़ियों के बीच खतरनाक लड़ाई देखने को मिल रही है। आरुषि चावला को द 50 से एविक्शन ऑर्डर मिला। उनका नाम अनाउंस होने के बाद वह फूट-फूट कर रोने लगीं। महल से बाहर निकलते समय उन्होंने कृष्णा, ऋषि, शीनू, रिधिमा और करण से कहा कि उन्होंने उन्हें गलत समझा है। गेम के दौरान आरुषि के गेम खेलने की जमकर बुराई भी की, जब उन्होंने नेहल चुडासमा को डेंजर जोन में भेज दिया और उन पर शो में दोनों पार्टियों का साथ देने का भी आरोप लगा। उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा, मैं वैसी नहीं हूं, जो कुछ सोचती है कुछ बोलती है। ये एपिसोड आरुषि के कारण चर्चा में बना हुआ है।

आरुषि चावला कौन हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं। यह सवाल हर किसी के दिमाग में चल रहा है। आरुषि एक एक्ट्रेस, मॉडल और डांसर हैं। उनका जन्म 1994 में दिल्ली में हुआ था। आरुषि ने माउंट कार्मेल स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और बाद में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज से हायर स्टडीज की, जहां उन्होंने केमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की।

2017 में आरुषि डांस फैकल्टी मेंबर के तौर पर वर्व डांस क्रू में शामिल हुईं। उसके बाद साल 2018 में उन्होंने अपना खुद का डांस स्टूडियो शुरू किया। इसके बाद उन्हें पैराशूट, हीरो बाइक, माउंटेन ब्रीज स्ट्रिप्स और पॉन्ड्स जैसे कई एडवर्टाइजमेंट ऑफर किए गए। 2020 में आरुषि ने एमटीवी रोडीज रेवोल्यूशन सीजन 17 में हिस्सा लिया। हाल ही में उन्होंने मिस स्कूबा इंडिया 2025 का टाइटल जीता। वह एक फिटनेस फ्रिक भी हैं, जिन्हें डांसिंग, पिलेट्स और कई दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज करते देखा जा सकता है। उनका पूरा इंस्टाग्राम उनकी वर्कआउट पोस्ट से भरा पड़ा है।

द 50 में एक टेंशन वाला पल पूरे महल में तब झगड़े में बदल गया, जब डेंजर जोन को लेकर हुई अनबन से आरुषि और करण के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। बहस डेंजर जोन चुनने से ठीक पहले शुरू हुई। आरुषि ने भेजे जाने के आइडिया का कड़ा विरोध किया और जोर देकर कहा कि उसे बचाने के लिए कोई अलायंस नहीं है और वह एक आसान टारगेट होगी, लेकिन करण पटेल ने उसकी बात को खारिज कर दिया और उसे नेगेटिव कहा। इस पर आरुषि ने पलटवार करते हुए कहा, तुम घमंडी हो करण पटेल। नेहल चुडासमा ने करण का बचाव करते हुए आरुषि को नार्सिसिस्टिक कहा, जबकि रिद्धि डोगरा ने उस पर दोमुंहा होने का आरोप लगाया और उसे सांप तक बोल दिया।

ओ रोमियो के आगे भी खूब तेवर दिखा रही 'बॉर्डर 2', चौथे संडे भी करोड़ों में की कमाई

सनी देओल स्टारर 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म किया है. वहीं अब शाहिद कपूर की नई रिलीज 'ओ रोमियो' से मुकाबला करने के बावजूद इस फिल्म ने चौथे वीकेंड पर भई धमाल मचा दिया. यहां तक कि संडे को भारत और पाकिस्तान के मैच भी 'बॉर्डर 2' की रफ्तार को कम नहीं कर पाया. चलिए यहां जानते हैं अनुराग सिंह निर्देशित फिल्म ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे संडे को कितना कलेक्शन किया है?

'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में 23 जनवरी को रिलीज हुई थी तब से ये फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. इस दौरान मर्दानी 3 भी आई लेकिन 'बॉर्डर 2' का सिंहासन नहीं हिला पाई. वहीं अब शाहिद कपूर की ओ रोमियो भी 'बॉर्डर 2' को हिला नही पा रही है. इसी के साथ सनी देओल स्टारर वॉर ड्रामा की कमाई जारी है और इसके कुल कलेक्शन में हर दिन इजाफा होता जा रहा है. यहां तक की चौथे वीकेंड पर भी इस फिल्म ने खूब नोट छापे हैं.

इसी के साथ फिल्म की कमाई की बात करें तो 'बॉर्डर 2' ने पहले हफ्ते में 224.25 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 70.15 करोड़ और तीसरे वीक में 23.35 करोड़ का कलेक्शन किया. इसके बाद 'बॉर्डर 2' ने 22वें दिन 80 लाख कमाए थे. लेकिन फिर 24वें दिन फिलम ने 137.50 फीसदी की तेजी दिखाई और 1.9 करोड़ कमा लिए.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे संडे को 1.5 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'बॉर्डर 2' की 24 दिनों की कुल कमाई अब 322 करोड़ रुपये हो गई है.

'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. ये फिल्म 1997 बॉर्डर की सीक्वल है और इसमें सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और सोनम बाजवा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले 23 जनवरी को सिनेमाघरों में आई थी.

फिल्म कैनेडी बदल देगी आपका करियर, सनी लियोन ने साझा किए फिल्म से जुड़े अनुभव

एक्ट्रेस सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस फिल्म से जुड़े किस्से शेयर किए। साथ ही बताया कि कैसे ये फिल्म उनके करियर में बड़ा बदलाव ला सकती है। सनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह उन फिल्मों में से एक है, जिसके बारे में जिन भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मैं मिली, उन्होंने कहा- 'यह वही फिल्म है, जो आपकी इमेज या करियर बदल देगी।' मुझे सच में लगता है कि यह फिल्म मुझे एक अलग मुकाम पर ले जा सकती है और उम्मीद है कि इसके बाद मुझे और अच्छा काम मिलेगा।'उन्होंने आगे कहा, 'अनुराग सर और मैंने साथ में कई खास पल शेयर किए।

हम अपने अतीत, जिंदगी के अनुभवों और अलग-अलग कहानियों के बारे में बात करते थे। मुझे महसूस हुआ कि मुझे सच में देख या सुन रहा है। मैं सुरक्षित महसूस करती थी, और उसी वजह से मैं स्क्रीन पर भी बेहतर प्रदर्शन कर पाई।'सनी ने कहा, 'यह बहुत जरूरी होता है, लेकिन बहुत कम लोग आपको ऐसा माहौल देते हैं, जहां आप सुरक्षित महसूस करें। जब आपको लगता है कि आप अच्छे हाथों में हैं, तब आप खुलकर अपना काम कर पाते हैं।'

शाहिद कपूर ने फर्जी 2 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, बोले- इसके लिए बहुत उत्साहित हूं

शाहिद कपूर इस वक्त हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में घिरे हैं। यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल कर रही है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। वहीं कई फैंस शाहिद की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि अभिनेता ने कुछ दिन पहले ही सीरीज से जुड़ी आधिकारिक पोस्ट साझा की थी। अब उन्होंने खुद फर्जी 2 को लेकर सबसे बड़ा अपडेट दे डाला है।शाहिद ने पुष्टि की है कि वह बहुत जल्द फर्जी 2 की तैयारी में जुट रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कुछ बिल्कुल अलग तरह की भूमिका में आ चुका हूं। मैं फिलहाल कॉकटेल 2 की शूटिंग कर रहा हूं। मैंने ओ रोमियो की शूटिंग खत्म होते ही इसकी शूटिंग खत्म कर दी थी। अब जब ओ रोमियो रिलीज हो चुकी है, तो मैं फर्जी 2 की शूटिंग शुरू करूंगा, जिसके लिए बहुत उत्साहित हूं।शाहिद ने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाना पसंद है, इससे एक अभिनेता के तौर पर खुद को तरोताजा करने में मदद मिलती है।

डाइट पर हैं तो बनाकर खाएं ये 5 तरह के सलाद, मिलेगा पोषण और बढ़ेगी ताकत

सलाद एक सेहतमंद खाना है, जो किसी भी भोजन का हिस्सा बन सकता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है, जो पाचन को ठीक रखता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को भी बढ़ा सकता है। आज हम आपको 5 ऐसे सलाद की रेसिपी बताने वाले हैं, जिन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये पोषण और ताकत का भंडार होते हैं। इन्हें डाइट के दौरान खाया जा सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को धो कर छीलें, फिर उसे पतला-पतला काटें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इसके बाद इस सलाद में दही और जैतून का तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। आखिर में इस पर थोड़ा-सा काला नमक डालकर परोसें। इस सलाद का स्वाद ताजगी भरा होता है और यह गर्मियों में ठंडक का अहसास कराता है।

मूली और गाजर का सलाद

मूली का सलाद बनाने के लिए सबसे पहले मूली को धो कर छीलें, फिर उसे कद्दूकस कर लें। अब गाजर को भी धो कर छीलें और उसे कद्दूकस करके मूली के साथ मिला दें। इसके बाद एक कटोरे में दोनों के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा-सा भुना हुआ सफेद तिल डालकर परोसें। इसे आप चावल के व्यंजनों के साथ खा सकते हैं।

पत्तागोभी और सेब का सलाद

अगर आप अलग स्वाद वाला सलाद खाना चाहते हैं तो पत्तागोभी और सेब का सलाद बनाएं। सबसे पहले पत्तागोभी को धो कर कद्दूकस कर लें। अब सेब को धोकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। इसके बाद एक कटोरे में पत्तागोभी और सेब के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस सलाद पर थोड़ा-सा सिरका छिड़ककर खाएं। यह सलाद आपके खाने में एक नया स्वाद जोड़ सकता है।

टमाटर और ककड़ी का सलाद

टमाटर और ककड़ी, दोनों ही में पानी की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में यह सलाद गर्मी के मौसम के लिए सबसे बढ़िया रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर और ककड़ी को धो कर छीलें। इसके बाद इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में टमाटर और ककड़ी के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इस पर काली मिर्च और अन्य सीजनिंग भी छिड़की जा सकती हैं।

पालक और पनीर का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले पालक को धो कर बारीक काट लें। अगर आप चाहें तो पालक को उबाल भी सकते हैं। इसके बाद पालक के साथ पनीर के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर मिलाएं। अब इस पर थोड़ा नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा-सा जैतून का तेल छिड़क दें, ताकि स्वाद बढ़ जाए। इसमें आप अन्य सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं।

गर्मियों के दौरान जिम जाने से पहले खाएं ये चीजें, एक्सरसाइज के लिए मिलेगी ऊर्जा

गर्मी का मौसम शरीर को बहुत थका देता है, खासकर अगर आप जिम में एक्सरसाइज करते हैं। इस मौसम में पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में जरूरी नमक की कमी हो सकती है। इसके कारण आपको कसरत करते हुए थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। हालांकि, अगर आप जिम जाने से पहले सही चीजें खाते हैं तो आप खुद को तारो-ताजा रख सकते हैं। जिम जाने से पहले डाइट में ये 5 चीजें शामिल करें।

केला खाएं

केला प्राकृतिक मिठास, पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्त्रोत है। यह आपके शरीर को तुरंत ऊर्जा दे सकता है, जिससे आप जिम में अधिक समय तक और बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकते हैं। केला खाने से आपको ताजगी का एहसास भी होगा और यह पाचन स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर डालेगा। इसके अलावा इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं और थकान को दूर करने में मदद करते हैं।

पानी पीते रहें

शरीर को अच्छी तरह चलाने के लिए पानी पीना सबसे जरूरी है। जिम जाने से पहले और उसके दौरान भरपूर पानी पिएं, ताकि आपका शरीर ताजगी से भरा रहे। पसीना आने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए, जिम से पहले और दौरान कम से कम 2-3 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो नमक से भरपूर होते हैं।

हल्का नाश्ता करें

जिम जाने से कम से कम 30 मिनट पहले हल्का नाश्ता करें, जिसमें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट मौजूद हों। आप ओट्स, पोहा, दही या प्रोटीन युक्त सैंडविच का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप थकान महसूस नहीं करेंगे। हल्का नाश्ता करने से आपकी ऊर्जा स्तर बढ़ेगा और आप जिम में अधिक समय तक और बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकेंगे। इसके अलावा यह पाचन तंत्र पर भी प्रभाव डालेगा।

तले हुए और भारी भोजन से बचें

जिम जाने से पहले तले हुए और भारी भोजन का सेवन न करें, क्योंकि ये पाचन तंत्र पर भारी पड़ सकते हैं और आपको असुविधा हो सकती है। इससे एक्सरसाइज करते समय आपको भारीपन महसूस होगा या उलटी भी आ सकती है। तले हुए भोजन से पेट में जलन और गैस भी हो सकती है, जिससे आपका मनोबल टूट सकता है। इसके बजाय आप फल, सूखे मेवे या हल्का नाश्ता कर सकते हैं, जो आसानी से पच जाते हैं।

चाय या कॉफी से परहेज करें

जिम जाने से पहले चाय या कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये आपकी नींद को प्रभावित कर सकती हैं और शरीर में जलन पैदा कर सकती हैं। इससे आपकी कसरत करने की क्षमता भी कम हो सकती है। इसके बजाय आप हर्बल चाय, नारियल पानी या नींबू पानी पी सकते हैं, जो बिना किसी नुकसान के ऊर्जा प्रदान करते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप गर्मियों में भी जिम जाकर फिट रह सकते हैं।

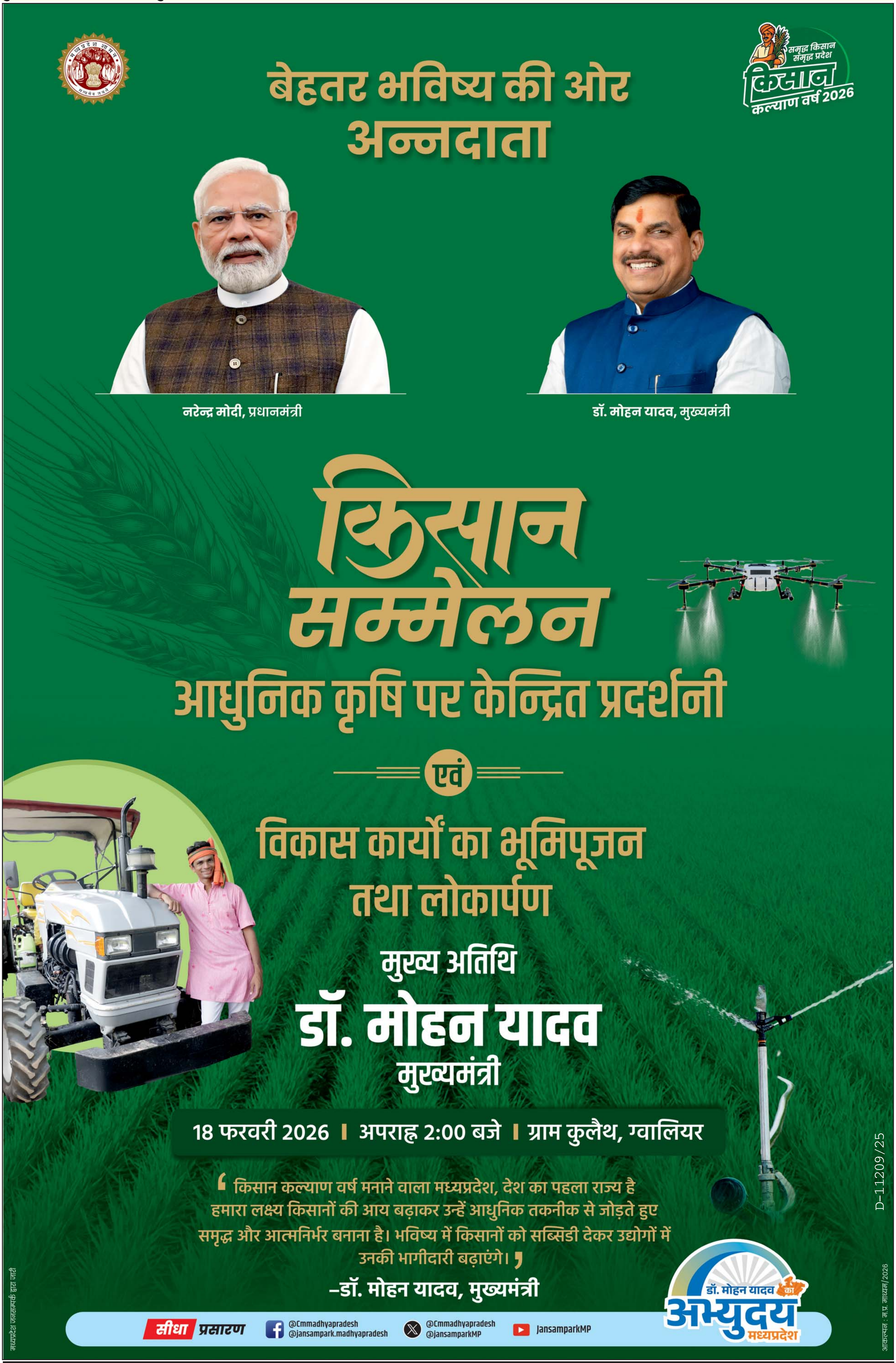
समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
बेहतर भविष्य की ओर
अन्नदाता
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
किसान सम्मेलन
आधुनिक कृषि पर केन्द्रित प्रदर्शनी
एवं
विकास कार्यों का भूमिपूजन
तथा लोकार्पण
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
18 फरवरी 2026 । अपराह्न 2:00 बजे । ग्राम कुलैथ, ग्वालियर
' किसान कल्याण वर्ष मनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है
हमारा लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाकर उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए
समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। भविष्य में किसानों को सब्सिडी देकर उद्योगों में
उनकी भागीदारी बढ़ाएंगे। '
–डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11209/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

रिंकू शर्मा गई, नए आरटीओ के पद पर आए प्रमोद कापसे

प्रभारी आरटीओ का तबादला होने से कार्यालय में खुशी का माहौल

- बहुत परेशान थे जिले के जरूरतमंद लोग, सेवा शुल्क के बाद भी काम में होती रही ढिलाई
- अब तक की सबसे बेकार आरटीओ, नर्मदापुरम से हटाने पर मंत्री को दी जा रही बधाई
- आरटीओ कार्यालय में हो रही थी अंधेरगर्दी, मंत्री को अनेक लोग कर चुके थे शिकायत

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यालय पर आरटीओ निशा चौहान के देवास तबादला होने के बाद जैसे ही प्रभारी रिंकू शर्मा का आगमन हुआ था। उसके बाद आरटीओ कार्यालय में काम काज में बेहद ढिलाई होना शुरू हो गया

था। लोगों को काम कराना मुश्किल हो रहा थ। कई लोगों को देवास जाकर कार्य कराने को मजबूर होना पड़ा। कार्यालय में अपने कार्य के लिए आने वाले कई लोग बेहद परेशान हो रहे थे। अनेक लोगों ने मंत्री से शिकायत भी की थी। फिर भी काफी समय लोगों को परेशान होना पड़ा। अब तबादला होने के बाद लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। आरटीओ कार्यालय में आने वाले वाहन मालिक सहित अन्य पुराने लोगों का ऐसा मानना है कि अब तक की सबसे बेकार आरटीओ रही। कार्य की पर्याप्त सेवा शुल्क देने के बाद भी लोगों समय पर कार्य नहीं होने से लोगों में उनके प्रति बहुत आक्रोश रहता था। कार्यालय में बाहरी दलालों का कब्जा बना रहा। कार्यालय में अंधेरगर्दी हो रही थी।

बाहरी दलाल संभाले हुए था काम

रिंकू शर्मा के साथ एक बाहरी दलाल धीरज जो आरटीओ कार्यालय का कोई कर्मचारी नहीं था। उनके साथ कहीं बाहर से आकर कार्यालय की पूरी दलाली कर रहा था। वह आरटीओ कार्यालय में रिंकू शर्मा के सामने लैपटाप लेकर बैठता था और हर तरह के सारे कामकाज देखता था। वही एक मात्र सबसे अधिक विश्वनीय था। एक यहां का भी बाहरी आदमी ने आरटीओं को पट्टी पढ़ाकर विश्वनीय हो गया था। वह भी आरटीओ का कोई कर्मचारी नहीं है। फिर भी आरटीओ से संबंधित लोगों के कागजातों को देखने का कार्य करता रहा है। अब देखना है कि ऐसे बाहरी लोगों का दबदबा बना रहेगा या नहीं? कार्यालय के आवश्यक दस्तावेजों को अपने कब्जे में रखने उनके कार्यों की पूर्ति करने का कार्य एक शासकीय कर्मचारी की भांति कर पाएंगे या नहीं?

एक दो घंटे रही अफरा तफरी

कार्यालय में जैसे ही नए आरटीओ आए तो पुरानी आरटीओ के खासमखास दलालों के मुंह उतर गए। और जो रिंकू शर्मा का तबादला होने की मांग हनुमान जी से कर रहे थे उनमें खुशी देखी गई। अब बारी थी पुराने कार्यों को पूरा कराने की तो करीब एक दो घंटे तक कार्यालय में अफरा तफरी का माहौल रहा। जो बाहरी दलाल था वह एक दूसरे कक्ष में लैटटाप लेकर कार्य निपटाने की कवायद कर रहा था।

नए आरटीओ आज से संभालेंगे कामकाज

नए आरटीओ के रूप में प्रमोद कापसे ने मंगलवार को कार्यालय में आमद दे दी है। पूरी तरह आज से कार्य संभालेंगे। उन्होंने आमद देने के बाद छींद वाले हनुमान मंदिर पहुंचकर श्री राम भक्त हनुमान जी की पूजा अर्चना की है।

नए आरटओ से अनेक उम्मीद

नए आरटीओ से नर्मदापुरम के नागरिकों को अनेक उम्मीद हैं कि अब नागरिकों को देवास या कहीं अन्य स्थानों पर कार्य कराने नहीं जाना पडेगा। लोगों के कार्य समय सीमा में पूरे होंगे। कार्यालय के अंदर जो बाहरी लोग आकर शासकीय कर्मचारी की तरह कार्य करते हैं उनको कार्यालय की कुर्सी टेबिल पर बैठकर कार्यालय के स्थाई कर्मचारियों की भांति कार्य करने की छूट नहीं मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक ने किया साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन

आमजन की शिकायतों का किया गया निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं। जनसुनवाई के दौरान कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी, मारपीट एवं महिला संबंधी प्रकरण शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना, पुलिस.जन संवाद को मजबूत बनाना, नागरिकों को न्याय दिलाना तथा पुलिस प्रशासन में विश्वास बनाए रखना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर से आए नागरिक अपनी समस्याओं का प्रत्यक्ष निराकरण पा सकते हैं।

कन्याकुमारी से कश्मीर किसान जागृति यात्रा का आगमन आज

किसानों की मांग को लेकर देश के वरिष्ठ किसानों को करनी पड़ रही है जागृति यात्रा

नर्मदापुरम(निप्र) । कन्याकुमारी से संयुक्त किसान मोर्चा गैर-राजनीतिक की किसान जागृति यात्रा का आज नगर आगमन होगा। जिसमें मुख्य तौर पर जगजीत सिंह डल्लेवाल ;पंजाब कुर्बुरु शांताकुमार ;कर्नाटक पीआर पांड्यंन ;तमिलनाडु पी अय्यकन्नू ;तमिलनाडु अभिमन्यु कोहाड़ ;हरियाणा इंदरजीत पन्नीवाला ;राजस्थान लीलाधर राजपुत एवं अरुण पटेल मध्यप्रदेश नितिन बाल्यान; उत्तर प्रदेश हरसुलिन्दर सिंह एवम सोनू औलख ;पंजाब समेत सैंकड़ों किसान मौजूद हैं। किसान नेताओं का आज मंडी प्रांगण में आगमन हो रहा है। बताया जा रहा है कि किसानों ने किसानी मांगों पर गाँवों.गाँवों से पारित कराए गए प्रस्तावों की प्रतियां जगजीत सिंह डल्लेवाल को सौंपी। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने किसानों से कहा है कि भारत.अमेरिका के मध्य हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत के किसानों के हितों को आघात पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ट्वीट कर के कह रहे हैं कि खेती एवम डेयरी सेक्टरों की रक्षा की जाएगी लेकिन भारत.अमेरिका के साझा वक्तव्य में' यह कहा गया है कि अमेरिका के खेती एवम खाद्य उत्पादों के ऊपर लगे नॉन.टैरिफ प्रतिबंधों पर चर्चा कर के उनका समाधान निकालने के लिए भारत तैयार हो गया है, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि ये दोनों विरोधाभासी बातें हैं और भारत.अमेरिका के साझा वक्तव्य से स्पष्ट हो गया है कि अमेरिका के दबाव के सामने भारत की सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोलने की स्वीकृति दे दी है जिस से भारत के किसानों को बहुत अधिक नुक्सान होगा। संयुक्त किसान मोर्चा ;गैर.राजनीतिक भारत.अमेरिका के मध्य हुए मुक्त व्यापार समझौते के खिलाफ बड़े प्रदर्शन की घोषणा करेगा और भारत के किसान ऐसे किसी भी मुक्त व्यापार समझौते को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिसंबर 2025 में अमेरिकी सरकार ने ष्फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस योजना के तहत अमेरिका के किसानों को 12 बिलियन डॉलर की परोक्ष तौर पर आर्थिक मदद की और हर वर्ष लगभग 80 लाख रुपये प्रति किसान को सब्सिडी के तौर पर दिया जाता है और दूसरी तरफ भारत में हर वर्ष लगभग मात्र 14000 रुपये प्रति किसान को सब्सिडी दी जाती है इसलिए भारत का किसान अमेरिका के किसान से मुकाबला नहीं कर सकता। किसान नेताओं का कहना है कि 19 मार्च को दिल्ली के रामलीला ग्राउंड में आयोजित किसान महापंचायत में तमिलनाडु के किसान बड़ी संख्या में भाग लेंगे और उन्होंने यह भी कहा कि डैच् गारंटी कानून पूरे देश के किसानों की सबसे महत्वपूर्ण मांग है और केंद्र सरकार को इसे जल्द से जल्द पूरा करना चहिए! किसान संठगन के केशव साहू ने बताया कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक किसान जागृति यात्रा जैसे ही नर्मदापुरम जिले में कृषि उपज मंडी में किसान नेता पत्रकारों से 3.30 बजे पत्रकार वार्ता में चर्चा करेंगे।

चार विधायकों में से कौन बनेगा मंत्री, संतोष पारिक और भरत राजपूत को मिल सकती है निगम की कमान

निगम, मंडल के अध्यक्ष, बैंक के बोर्ड, मंडी समिति, एल्डरमेन की नियुक्ति करना भूल गई भाजपा सरकार?

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। मप्र सरकार कई वर्षों से निगम के अध्यक्ष, बैंक के बोर्ड, मंडी समिति, एल्डरमेन की नियुक्ति करना भूल गई है। या नियुक्ति करने से परहेज कर रही है। इन पदों पर नियुक्ति होने से पार्टी के कई कार्यकर्ता व वरिष्ठ नेता गणों को उचित स्थान मिल जाता था। लेकिन देखा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव 2023 के बाद से ही निगम. मंडल और आयोग में नियुक्ति के लिए कई नेता इंतजार करते हुए मन मसोस कर रह गए। उनके स्थान पर प्रशासनिक अधिकारियों को प्रभार देकर उनसे ही कार्य चलाया जा रहा है। उनके रूतवे बढ़ाए जा रहे हैं। जिससे नेताओं में मायूसी है। लेकिन जो दावेदार हैं वे कहें तो किससे कहें। पार्टी में कोई सुनने वाला ही नहीं है। जिले के चार विधायक हैं चारों मंत्री बनने लायक हैं लेकिन सरकार ने जिले से एक भी विधायक को मंत्री बनाना उचित नहीं समझा। अब सुन रहे हैं कि अब नए विस्तार में किसी एक विधायक को मंत्री बनने का चांस मिलने वाला है।

कई बार हुई सुगबुगाहटें नियुक्ति टलती गई

प्रदेश के अनेक निगम मंडलों में नियुक्ति को लेकर अनेक बार ऐसा लगता रहा है कि अब जल्दी ही निगम अध्यक्ष पद पर तैनाती हो जाएगी। लेकिन फिर नियुक्ति टल जाती रही।अब सुनने में आ रहा है कि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष पारिक को या पूर्व बैंक अध्यक्ष भरत राजपूत को कोई निगम का चेयरमेन बनाया जा सकता है।

कहीं खर्चे बढ़ने के कारण तो नियुक्तियां नहीं टल रहीं?

अब तो भाजपा के ही अनेक दावेदार ही यह बात कहने लगे कि सरकार में बैठे पदाधिकारी ही नियुक्ति को टाल रहे हैं क्योंकि यदि नियुक्ति हो जाती है तो सरकार पर खर्च बढ़ने लगेगा। क्योंकि अनेक आयोग, निगम को केबिनेट मंत्री या राज्य मंत्री का दर्जा दिया जाता है। जब उनको दर्जा मिल जाएगा तो उन्हें गाड़ी, आवास, भत्ता, सहित अन्य अनेक खर्च बढ़ते जाएंगे। कई निगमों, आयोगों, जिला सहकारी बैंकों, कृषि उपज मंडी समिति, के साथ ही नगरीय निकाय में एल्डरमेन की नियुक्ति भी सरकार के माध्यम से होती रही है। ऐसा लग रहा है कि सरकार जानबूझकर नियुक्ति नहीं कर रही है।

भीड़ के रूप में उपयोग आ रहे कार्यकर्ता

जो कर्मठ कार्यकर्ता हैं उन्हें हर कभी बैठक करने तथा वरिष्ठ नेताओं के भाषण सुनने के लिए भीड़ के रूप में उपयोग किया जाता है। पद मिलने की उम्मीद में अनेक कार्यकर्ता जुटे रहते हैं। उम्मीद करें भी क्यों नहीं क्या सिर्फ कुछ लोगों को ही पद मिलने का हक है बांकी के भीड़ बनते रहें। चुनाव में पार्टी को जितवाने में जुटे रहे जब उनको कुछ बनाने का मौका आए तो पार्टी के वरिष्ठ नेता व सरकार में बैठे जबावदार पदों की नियुक्ति कभी चुनाव के चक्कर में कभी किसी अन्य चक्कर में टालती रहे। यहां तक कि पहले तो कॉलेजों में जनभागीदारी समिति के चेयरमेन भी कार्यकर्ताओं को बना दिया जाता था।

लेकिन अब तो सरकार की मेहरबानी से अनेक कालेजों में प्रशासनिक अधिकारी ही ही चेयरमेन बने हुए हैं। क्या कार्यकर्ता उस योग्य भी नहीं है। लंबे समय से अनेक तरह की नियुक्तियां को टाला गया है। जिला सहकारी बैंक में भी बोर्ड के चुनाव नहीं कराए गए। यदि बोर्ड के चुनाव नहीं हो पा रहे थे तो किसी भी नेता को अध्यक्ष का प्रभार दिया जा सकता था। इसी प्रकार से कृषि उपज मंडी के चुनाव भी कई वर्षों से नहीं कराए गए। नगरीय निकाय में ऐल्डरमेन नियुक्त होते थे लेकिन सरकार ने इस पद को ही भुला दिया गया।

जनगणना-2027 कार्य में संवेदनशीलता बरतते हुए पूरी प्रक्रिया का अनुसरण करे पूरा अमला : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

जनगणना 2027 हेतु अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का हुआ समापन

दूसरे दिन जनगणना 2027 के लिए तैयार पोर्टल की विधिवत जानकारी से अधिकारियों को कराया गया अवगत

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जनगणना 2027 की आवश्यक जानकारी से जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों हेतु आयोजित जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दूसरे दिन अधिकारियों को जनगणना के लिए तैयार किया गए सेंसस मैनेजमेंट मॉनिटरिंग सिस्टम के संबंध में वास्तविक रूप से व्यावहारिक प्रस्तुति के माध्यम से अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान ट्रेनिंग मैनेजमेंट, एचएलओ मैनेजमेंट, पोर्टल तथा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न मॉड्यूल संबंध में विगतवार जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कर्ता अधिकारियों द्वारा सभा कक्ष में उपस्थित जिले के समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को पोर्टल के उपयोग तथा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का किस प्रकार से उपयोग किया जाना है तथा चार्ज अधिकारियों, प्रगणकों की, सुपरवाइजर

आदि जनगणना में संलग्न होने वाले कर्मचारियों के कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि जनगणना कार्य के लिए सुपरवाइजर, प्रगणकों सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने हेतु आदेश जारी किए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने के साथ ही उनकी वृहद स्तर पर ट्रेनिंग भी अनुविभागीय जनगणना अधिकारी द्वारा स्वयं उपस्थित होकर करवाई जाए। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जनगणना से जुड़े कार्यों तथा तिथियां एवं नागरिकों के कर्तव्य तथा अन्य जानकारी के संबंध में व्यापक रूप से प्रचार प्रसार भी किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

नर्मदापुरम जिले में अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 06 वाहन जप्त

नर्मदापुरम (निप्र) ।नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देश पर अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में 16 फरवरी 2026 को इटारसी से 01 डम्पर क्रमांक-MP12ZE4141 को रेत का ओवरलोड परिवहन

करते जप्त कर मण्डी प्रांगण इटारसी में खड़ा किया गया है। इसके अलावा, खनिज विभाग द्वारा पिपरिया से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करते जप्त कर पुलिस थाना मंगलवारा पिपरिया में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है।17 फरवरी 2026 को तहसील इटारसी में 02 डम्पर क्रमांक-MP04ZN4952 एवं MP09BF1362 को रेत का ओवरलोड परिवहन करते जप्त कर पुलिस थाना रामपुरा गुर्रा में तथा सिवनीमालवा से 02 एल.पी. क्रमांक-MP09HG6345 एवं MP09DP4341 को रेत का ओवरलोड परिवहन करते जप्त कर थाना सिवनीमालवा में सुरक्षार्थ खड़े किये गये हैं। उक्त कार्यवाही में निलेश शर्मा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी, दिवेश मरकाम जिला खनि अधिकारी नर्मदापुरम, श्रीमती कीर्ति प्रधान नायब तहसीलदार सिवनीमालवा, कृष्णकांत सिंह परस्ते प्र0 खनि निरीक्षक नर्मदापुरम, हेमन्त राज सिपाही खनिज तथा पुलिस एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

असमय बारिश से हुई फसल क्षति का सर्वे कर,फसल क्षति का आकलन किया जाए : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

परिवहन, खनिज एवं अन्य विभाग दिए गए राजस्व लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति करें

सभी कलेक्टर परीक्षा केंद्रों एवं स्कूलो तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें

नर्मदापुरम(निप्र) । असमय बारिश से कई जगह फसल क्षति हुई है सभी कलेक्टर प्राथमिकता से सर्वे दल भेज कर फसल क्षति का सर्वे कराकर, फसल क्षति का आकलन करें एवं शासन के नियम अनुसार प्रभावितों को राहत राशि देना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में संभाग के नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा जिले के कलेक्टर को दिए। कमिश्नर ने तत संबंध में सभी कलेक्टर से सर्वे दल के संबंध में आवश्यक जानकारी भी ली। कमिश्नर ने निर्देश दिए की खनिज, परिवहन, पंजीयन एवं स्टांम्प तथा राजस्व विभाग शासन द्वारा दिए गए वार्षिक राजस्व लक्ष्य की हर संभव पूर्ति करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि यह सभी विभाग इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक दिए गए राजस्व लक्ष्य की शत प्रतिशत वसूली करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने इस बात पर सख्त नाराजगी जाहिर की की अब तक परिवहन, खनिज पंजीयन एवं स्टांम्प तथा राजस्व विभाग अपने दिए गए लक्ष्य की वसूली करने में पीछे है। उन्होंने राजस्व लक्ष्य को हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल की परीक्षाओं के दौरान अनिवार्य रूप से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं की परीक्षाएं सुचारू एवं सफल तरीके से संचालित की जाए। नकल के प्रकरणों में प्रभावी अंकुश लगाया जाए एवं इस दौरान उड़न दस्ता दल लगातार सक्रिय रहे। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर से कहा कि वह अपने जिले अपने जिले की आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों का भी सतत निरीक्षण करना सुनिश्चित करें एवं निरीक्षण के दौरान निरीक्षण टीप भी अनिवार्य रूप से अंकित करें। कमिश्नर ने संकल्प से समाधान अभियान के संबंध में सभी कलेक्टर से आवश्यक जानकारी ली। बताया गया कि कलस्टर आधारित शिविर अब आयोजित किए जाएंगे, उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता से करना सुनिश्चित किया जाए। बताया गया कि बैतूल में 73 हजार 182, नर्मदापुरम में 34 हजार 910, हरदा में 30 हजार 20 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बैतूल में अब तक 66त्न नर्मदापुरम में 64 प्रतिशत हरदा में 39 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया है। सभी कलेक्टर्स द्वारा बताया गया कि सभी आवेदनों का समय सीमा में निराकरण कर दिया जाएगा। कमिश्नर श्री तिवारी ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी सहित सभी शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के सभी अमलो की उपस्थिति हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ही लगाई जाएगी।

नर्मदापुरम में वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र) । नर्मदापुरम जिले में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वनाधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वनाधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के संबंध में क्षमता निर्माण हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभा कक्ष में 17 एवं 18 फरवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है।प्रथम दिवस के प्रशिक्षण में जिले की 5 उपखण्ड स्तरीय वनाधिकार समिति के अशासकीय सदस्य एवं 8 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर शामिल हुए। विवेक नागवंशी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के मार्गदर्शन में 03 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर रीतेश देशमुख, मोहित महाजन एवं श्रीमति उमा गोस्वामी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रथम दिवस के प्रशिक्षण के समापन पर, हर्षित कौरव, क्षेत्र संयोजक जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रशिक्षण में सम्मिलित होने पर अशासकीय सदस्यों एवं अन्य शिक्षुओं का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यालय, अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज जिला सीहोर

Email id-jsnasrullahganj@mp.gov.in

क्रमांक 210/निविदा/2026 — नसरूल्लागंज, दिनांक 11/02/2026

-: ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना :-

वर्ष 2026-2027 (द्वितीय आमंत्रण)

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 के अंतर्गत सब जेल नसरूल्लागंज में परिरूद्ध बंदियों हेतु वर्ष 2025-2026 में लगने वाली विद्युत सामग्री, स्वच्छता सामग्री, सब्जियाँ, फल, दवाईयाँ, भवन निर्माण सामग्री एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के क्रय हेतु निविदायें ई-टेण्डरिंग पद्धति (online system) के माध्यम से आमंत्रित की गई है। समस्त जानकारी वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

7.	प्री-बीड मिटिंग की तिथि-	दिनांक 07.03.2026 को समय प्रातः 12:00 बजे	कार्यालय सब जेल नसरूल्लागंज पर नियत समय पर होगी।
8.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि- (निविदा फार्म का मूल 1000 रूपये प्रतिफार्म-राशि ऑनलाईन महालखाकार ग्वालियर म.प्र. शीर्ष 0056, जेलें-800 अन्य प्राप्तियाँ में जमा की जावेगी, यदि निविदा की कुल रकम 5.00 लाख से कम हो तो निविदा फार्म क्रय की राशि 500/- प्रति फार्म देय होगी।	दिनांक 11.03.2026 समय शाम 12:00 बजे तक	बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर प्राप्त
9.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि-	दिनांक 11.03.2026 समय शाम 02:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन स्वीकार की जावेगी।
10.	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 11.03.2026 को दोपहर 05:00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक, सब जेल नसरूल्लागंज पर जमा करें।
11.	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की ऑनलाईन तिथि एवं नमूना परीक्षण की तिथि	दिनांक 12.03.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक, सब जेल नसरूल्लागंज में तकनीकी निविदा खोलने की कार्यवाही की जायेगी।
12.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 13.03.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक, सब जेल नसरूल्लागंज पर वित्तीय निविदा खोलने की कार्यवाही की जायेगी।

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (online system) क्रेडिट कार्ड या ऑन लाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है। निविदा एवं उससे संबंधित समस्त जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाईट पर देखे। निविदा संबंधी समस्त कार्यवाही सहायक जेल अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज द्वारा की जावेगी। निविदा के संबंध में किया जाने वाला कोई भी संशोधन संबंधित वेबसाईट पर किया जायेगा। जिसका प्रकाशन पृथक से समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा।

जी/25915/25

सहायक जेल अधीक्षक
सब जेल नसरूल्लागंज
जिला सीहोर

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com